RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:195 ता. 31 जनवरी 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया बापू को याद

नई दिल्ली। 30 जनवरी साल 1948 यहीं वो दिन था, जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की नाथूराम गोडसे ने हत्या कर दी थी। नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को तीन गोलियां मारकर हत्या की थी। आज बापू की 75वीं पुण्यतिथि है। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रुप में भी मनाया जाता है।

हे राम थे बापू के अंतिम शब्द

ऐसा माना जाता है कि जब महात्मा गांधी को गोली मारी गई थी, तब उनके मुख से निकलने वाले अंतिम शब्द %हे राम थे। बता दें कि महात्मा गांधी की जान लेने वाले नाथूराम गोडसे और इस अपराध की साजिश में उनका साथ देने वाले नारायण दत्तात्रेय आप्टे को फांसी दी गई। 15 नवंबर 1949 को उन्हें फांसी दे दी गई थी।

पीएम मोदी ने किया बापू को नमन

पीएम मोदी ने ट्वीट कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि मैं बापू को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं और उनके गहन विचारों को याद करता हूं। मैं उन सभी को भी श्रद्धांजलि देता हूं, जो हमारे देश की सेवा में शहीद हुए हैं। उनके बलिदानों को कभी भुलाया नहीं जाएगा और विकसित भारत के लिए काम करने के हमारे संकल्प को मजबूत करते रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया बापू को नमन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बापू को याद किया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि स्वदेशी और स्वावलंबन के मार्ग पर चलकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा देने वाले महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। आजादी के अमृतकाल में पूज्य बापू के स्वच्छता, स्वदेशी और स्वभाषा

पीएम मोदी ने ट्वीट कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि मैं बापू को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूं और उनके गहन विचारों को याद करता हूं।

के विचारों को अपनाकर उन पर चलाना ही गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शांतिपूर्ण आंदोलन, प्रेम-भाईचारा हमें बापू से विरासत में मिला

वहीं, कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गांधी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। कांग्रेस पार्टी ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर बापू को याद किया। कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट किया कि भारत के महान आदर्शों से पूरी दुनिया को रूबरू कराने वाले एवं सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। शांतिपूर्ण आंदोलन, प्रेम-भाईचारा व सत्याग्रह जैसी विरासत हमें बापू से ही मिली हैं, जिसकी राह पर आगे बढ़ हम भारत को जोड़ रहे हैं।

गुजरात के पोरबंदर में हुआ था महात्मा गांधी का जन्म

दरअसल, मोहन दास करमचंद गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। महात्मा गांधी ने इंग्लैंड में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। हालांकि, देश में हो रहे अत्याचारों को देख वह ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बन गए। उन्होंने भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, देश के आजाद होने के कुछ ही महीनों बाद उनकी हत्या कर दी गई।

योगी ने महात्मा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धाजंलि

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बापू की प्रतिमा पर माथा टेका और पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धाजंलि अर्पित की।

श्री योगी आज सुबह राजधानी लखनऊ में जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पहुंचे और राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होने ट्वीट कर कहा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। बापू के समग्र चिंतन में मनुष्यता, स्वतंत्रता एवं समरसता का आह्वान है। उनकी शिक्षाएं रामराज्य और विश्व शांति की संकल्पना की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

गौरतलब है कि 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की दिल्ली के बिड़ला हाउस परिसर में गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी।

रामचरित मानस की प्रतियां जलाने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों पर पुलिस लेगी एक्शन, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थन में लखनऊ में रामचरित मानस की प्रतियां जलाने वाले कई लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार ऐशबाग के रहने वाले सतनाम सिंह ने पीजीआई थाने में यह एफआईआर दर्ज कराई है। दरअसल, रामचरित मानस को लेकर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर चौतरफा घेराबंदी शुरू हुई तो उनके समर्थन में ओबीसी महासभा के कुछ लोग उतर आए। उन्होंने लखनऊ में प्रदर्शन किया और रामचरित मानस की प्रतियों को जलाया।

उत्तराखंड के पांच गांवों में नहीं कर सकते धूम्रपान, यहां लकड़ी से बने हैं सारे घर

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के जोशीमठ में कई घरों और इमारतों में भूस्खलन के चलते बड़ी दरारें आ गई हैं। सरकार ने उन्हें गिराने का फैसला लिया है। पहाड़ी राज्यों में ऐसा होना आम माना जाता है। लेकिन इसी पहाड़ी राज्य में ऐसे भी गांव भी हैं, जहां का आर्किटेक्चर न केवल पूरे भारत मे बिल्कुल नायाब है बल्कि पर्यावरण के लिहाज से सबसे सुरक्षित माना जाता है। इस आर्किटेक्चर को 'कोटी बनाल' कहते हैं।

पूरी तरह देवदार की लकड़ी से बने इन घरों को सिर्फ आग से खतरा रहता है। वैज्ञानिक भी इन्हें भूकंप के लिहाज से सबसे सुरक्षित मानते हैं। इन गांवों में सिगरेट-बीड़ी पीना प्रतिबंधित है। सभी घर लकड़ी से बने होते हैं, इनमें आग आसानी से लग जाती है। सुरक्षा के बहाने ही सही, ये गांव धूम्रपान से पूरी तरह दूर हैं।

हजारों साल पुराना है यह आर्किटेक्चर, चार मंजिला इमारतें भी लकड़ी से बनती हैं

उत्तराखंड के सीमांत उत्तरकाशी जनपद के रवाई क्षेत्र के गंगाड़ और ओसला जैसे पांच गांवों में इस तरह के घर दिखते हैं। तीन से चार मंजिला घर भी देवदार की लकड़ी से बनाए जाते हैं। ये आर्किटेक्चर हजारों साल पुराना है। यहां के घरों सबसे नीचे का तल गाय भैंसों के लिए होता है, सबसे ऊपर के तल में बकरियों रखा जाता है। वहीं, मध्यम तल में परिवार रहता है। इसके ऊपर आनाज का भंडारण होता है। 1991 के भूकंप में भी इन घरों को नहीं पहुंचा नुकसान

यहां बने घर आर्किटेक्चरल आर्ट और साइंस के अनूठे उदाहरण हैं। उत्तराखंड में 1991 मे आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई, पर इन घरों को जरा भी नुकसान नहीं हुआ। राजगढ़ी, मोरी बड़कोट, पुरोला और टकनोर क्षेत्रों में इसी तरह के मकान बनाए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि देवदार की लकड़ी लगभग 900 साल तक जलवायु में बदलाव को सहन कर सकती है। इसलिए ये घर भूकंपरोधी होने के साथ जलवायु से भी सुरक्षित रहते हैं।

दिल्ली से अहमदाबाद जा रही फ्लाइट हुई डायवर्ट, कम विजिबिलिटी के कारण उदयपुर में कराई गई लैंडिंग

नई दिल्ली। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि दिल्ली से अहमदाबाद जाने वाली विस्तारा की एक उड़ान को कम दृश्यता के कारण राजस्थान के उदयपुर की ओर मोड़ दिया गया। विस्तारा ने बताया कि फ्लाइट सुबह करीब 9.10 बजे उदयपुर पहुंची। विस्तारा की ओर से कहा गया था कि दिल्ली से अहमदाबाद (डीईएल-एएमडी) जाने वाली उड़ान यूके959 को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उदयपुर की ओर मोड़ दिया गया है और इसके सुबह 9:10 बजे उदयपुर पहुंचने की उम्मीद है।

पहले भी कई बार बदला फ्लाइट का रूट

इससे पहले 19 जनवरी को भुवनेश्वर जाने वाली विस्तारा की एक उड़ान को कम दृश्यता के कारण कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया था। फ्लाइट गुरुवार सुबह 9.30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरी, इसकी जानकारी एयरलाइंस ने ट्विटर पर दी। मुंबई, महाराष्ट्र से उड़ीसा की राजधानी पहुंचने वाली फ्लाइट UK543 को घने कोहरे के

कारण पश्चिम बंगाल की राजधानी की ओर मोड़ दिया गया।

विस्तारा ने अपने ट्वीट लिखा था, मुंबई से भुवनेश्वर (बीओएम-बीबीआई) जाने वाली उड़ान यूके543 को भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण कोलकाता (सीसीयू) की ओर मोड़ दिया गया है और इसके 09:30 बजे कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। कृपया आगे के अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

मजाक करना यात्री को पड़ा भारी

हाल ही में दुबई से जयपुर आने वाली फ्लाइट को कम दृश्यता के कारण दिल्ली की ओर मोड़ा गया। यह स्पाइसजेट का विमान था। सुबह 9.45 बजे यह जयपुर के बजाय दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। इसी बीच फ्लाइट में बैठे एक यात्री ने ट्विटर पर "SG 58 Dubai to Jaipur high jacked" लिखकर भारत के फेडरल मिनिस्टर फॉर सिविल एविएशन को टैग भी कर दिया था। हालांकि, बाद में इससे पूछताछ की गई तो उसने कहा कि यह मजाक में किया था। इस मजाक के लिए यात्री को अच्छी कीमत चुकानी पड़ी है। फिलहाल उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य का सिर तन से जुदा करने वाले को दूंगा 21 लाख रुपए

अयोध्या। समाजवादी पार्टी की नई कार्यकारिणी में स्वामी प्रसाद को महासचिव बनाए जाने की घोषणा की कड़ी प्रतिक्रिया रामनगरी अयोध्या में देखने को मिली। हनुमान गढ़ी से जुड़े महंत राजू दास ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के महासचिव बनाए जाने के फैसले पर कड़ी आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य का सिर काटने वाले को 21 लाख का इनाम देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा है कि रामचरित मानस व सनातन धर्म के खिलाफ लगातार अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सपा नेता स्वामी प्रसाद पर

उन्हें कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए लेकिन सपा ने कार्रवाई की बजाय स्वामी प्रसाद को प्रमोशन देकर अपनी नीति स्पष्ट कर दी है क्योंकि अभी तक अखिलेश कह रहे थे कि वह किसी भी धर्म का अपमान नहीं करते हैं लेकिन लगातार साधु संतों को आतंकी कहना, ब्राह्मणों को अपशब्द कहना राममचरित मानस पर टिप्पणी करना स्वामी प्रसाद की देन है। साधु-संतों में रोष है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि स्वामी प्रसाद पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे, नहीं तो हम लोग कड़ी कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली में आज भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना, कई राज्यों में बूंदाबांदी के आसार

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 12 घंटे के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग ने बताया कि दिल्ली के ऊपर आने वाले बादल के कारण शहर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। IndiaMetSky Weather के आंकड़ों के मुताबिक, नमी अरावली की पर्वत चोटियों से टकरा कर तुरंत उपर उठ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई राज्यों में भी बूंदाबांदी हो सकती है। इससे पहले मौसम विभाग ने कहा था कि दिल्ली के अधिकांश जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी।

हल्की बारिश के बाद बढ़ी ठंड-मालूम हो कि पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी राज्यों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश के कारण ठंड एक बार फिर बढ़ गई है और अभी कम होने की संभावना कम है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से मौसम

में बदलाव हुआ है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में रविवार की सुबह बूंदाबादी से हुई। राजस्थान में शनिवार देर रात से ही बारिश शुरू हो गई थी। कई जगहों पर ओले भी पड़े। इस बूंदाबांदी ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है। कृषि विज्ञानियों के मुताबिक, यह बारिश फसलों के लिए अमृत के समान है।

जम्मू-कश्मीर में छाए रहे बादल-उत्तराखंड में भी मौसम ने करवट बदल ली है। घने बादलों के बीच वर्षा-बर्फबारी का क्रम शुरू हो गया है। उत्तराखंड में चारधाम समेत तमाम ऊंची चोटियों पर दोपहर बाद हिमपात हुआ, जबकि निचले इलाकों में शाम को एक से दो दौर की वर्षा हुई। जम्मू कश्मीर में दिन में बादल छाए रहे। हालाकि रात को उच्च पहाड़ी क्षेत्रों में हिमपात व मैदानी क्षेत्रों में वर्षा शुरू हो गई। लद्दाख के कारगिल जिले के तांगोल में हिमस्खलन की चपेट में आई दो लड़कियों की बर्फ में दबने से मौत हो गई।

दिल्ली के कई इलाकों में बारिश की चेतावनी-मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया था कि दिल्ली के कुंज, हौजखास, मालवीयनगर, कालकाजी सहित कई हिस्सों में हल्की बारिश होगी। विभाग ने रविवार को कहा कि हरियाणा के भिवानी, उत्तर प्रदेश के किठौर, गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ और गुलावती में भी हल्की बारिश होने की संभावना है।

उच्च शिक्षा को लेकर बढ़ा रुझान, छात्रों की संख्या चार करोड़ के पार; 2020-21 की रिपोर्ट से सामने आई जानकारी

नई दिल्ली। देश में उच्च शिक्षा को लेकर छात्रों का रुझान तेजी से बढ़ा है। साल 2014-15 में उच्च शिक्षा के लिए नामांकन कराने वाले छात्रों की संख्या करीब 3.42 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 4.14 करोड़ से अधिक हो गई है। 2020-21 की रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रों की संख्या में 72 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (2011 की जनगणना के आधार पर) भी बढ़कर 27.3 प्रतिशत हो गया है। साल 2014-15 में यह 24.3 प्रतिशत था, जो 2001 की जनगणना पर आधारित था।

उच्च शिक्षा के प्रति महिलाओं का भी बढ़ा रुझान-उच्च शिक्षा के प्रति महिलाओं का भी रुझान बढ़ा है। इनकी नामांकन संख्या भी अब दो करोड़ के पार हो गई है। 2014-15 के मुकाबले इनमें करीब 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में बदलाव की जानकारी शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी आल इंडिया सर्वे आन हायर एजुकेशन की रिपोर्ट से मिली है। जिसे मंत्रालय ने रविवार को जारी किया है। यह रिपोर्ट सितंबर 2022 में ही तैयार हो गई थी, लेकिन औपचारिकताओं के चलते इसे अब जारी किया जा सका है।

उच्च शिक्षा का जीईआर 50 प्रतिशत

तक बढ़ाने का लक्ष्य

उच्च शिक्षा में बदलावों को लेकर शिक्षा मंत्रालय 2011 से रिपोर्ट जारी करता आ रहा है। वैसे तो यह रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय का उत्साह बढ़ाने वाली है, लेकिन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में उच्च शिक्षा के सकल नामांकन का जो सपना देखा गया है, उस तक पहुंचना अभी एक बड़ी चुनौती है। एनईपी में 2035 तक उच्च शिक्षा का जीईआर 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

कला संकाय के हैं सबसे अधिक छात्र

इस रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च शिक्षा में सबसे अधिक नामांकन उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों में हुआ है। उच्च शिक्षा में नामांकन कराने वाले छात्रों में 79 प्रतिशत छात्र अंडर ग्रेजुएट स्तर के हैं, जबकि करीब 12 प्रतिशत पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के हैं। ग्रेजुएट स्तर पर नामांकन कराने वाले छात्रों में सबसे अधिक कला संकाय के हैं। विज्ञान पढ़ने वाले छात्र 15.5 प्रतिशत, कामर्स पढ़ने वाले 13.9 प्रतिशत और इंजीनियरिंग व तकनीक की पढ़ाई करने वाले 11.9 प्रतिशत हैं। देश में मौजूदा समय में 1113 विश्वविद्यालय और 43796 कालेज हैं।

उच्च शिक्षा का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत हुआ

वर्ष 2019-20 की तुलना में उच्च शिक्षण संस्थानों के संसाधनों में भी बढ़ोतरी हुई है। 2019-20 में जहां 86 प्रतिशत उच्च शिक्षण संस्थानों के पास ही कंप्यूटर सेंटर थे, वहीं 2020-21 में 91 प्रतिशत संस्थानों के पास कंप्यूटर सेंटर थे। 2019-20 में सिर्फ 58 प्रतिशत उच्च शिक्षण संस्थानों के पास स्किल सेंटर थे। 2020-21 में 61 प्रतिशत संस्थानों के पास स्किल सेंटर हो गए।

दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में बारिश की संभावना

- 1 फरवरी को तमिलनाडु में भारी बरसात होने की संभावना

नई दिल्ली । दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार को बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। पिछले 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान गुजरात में कुछ जगहों पर और जम्मू कश्मीर लद्दाख गिलगित बाल्टिस्तान मुजफ्फराबाद के कई हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक इस बीच एक निम्न दबाव का क्षेत्र दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर मौजूद है। जिसके कारण 1 फरवरी को दक्षिण तमिलनाडु में अधिकांश जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान और पड़ोस पर बना हुआ है। पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की उम्मीद है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी ने अपने मौसम बुलेटिन में कहा कि हिमाचल प्रदेश पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कुछ जगहों पर छिटपुट ओले गिरने की भी संभावना है। आईएमडी के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है और बाद के 48 घंटों के दौरान इसमें तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। 30 जनवरी को पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में रात के समय बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इस बीच दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। 1 फरवरी के आसपास ये श्रीलंका तट के पास पहुंच जाएगा। जिससे दक्षिण तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

अयोध्या के एक और संत ने की सपा नेता मौर्य का सिर कलम करने पर 21 लाख इनाम देने की घोषणा

आयोध्या । अयोध्या में एक और संत ने रामचरितमानस का अपमान करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का सिर कलम करने वाले को 21 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने यह एलान किया है। इससे पहले तपस्वी छावनी के परमहंस दास ने मौर्य की जीभ काटने वाले को इनाम देने की घोषणा की थी। पूर्व मंत्री और सपा नेता मौर्य ने हाल ही में यह आरोप लगाकर विवाद खड़ा कर दिया था कि रामचरितमानस के कुछ छंदों ने समाज के एक वर्ग का अपमान किया है। परमहंस दास ने मौर्य को पार्टी का महासचिव बनाए जाने पर भी सपा की आलोचना की। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी ने स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पार्टी का महासचिव बना दिया है।

माकपा ने भाजपा में शामिल हुए विधायक मबशर अली को 'गद्दार' करार दिया

अगरतला । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की त्रिपुरा इकाई ने चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के लिए पार्टी विधायक मबशर अली को 'गद्दार' करार दिया। माकपा के वरिष्ठ नेता पबित्र कार ने कहा कि अली एक 'गद्दार' हैं जिन्होंने महज एक टिकट के लिए पार्टी को धोखा दिया उन्हें पार्टी से निकाला गया है। कैलाशहर विधानसभा क्षेत्र से माकपा विधायक अली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुबल भौमिक के साथ 27 जनवरी को दिल्ली में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और पार्टी के पूर्वोत्तर समन्वयक संबित पात्रा की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव 16 फरवरी को होने हैं। अली को कैलाशहर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा से टिकट मिला है। माकपा के टिकट पर 2018 का त्रिपुरा विधानसभा चुनाव जीतने वाले अली को पार्टी ने टिकट नहीं दिया था क्योंकि कांग्रेस के साथ ''सीट समायोजन'' के तहत उनका निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस को दे दिया गया था। पार्टी की राज्य समिति के सदस्य कार ने कहा हम लोगों ने अली से बात कर उन्हें बताया कि उनकी सीट कांग्रेस उम्मीदवार (बिरजीत सिन्हा) को क्यों दी गई। कार ने कहा कि कांग्रेस के साथ जाने का फैसला पार्टी के पोलित ब्यूरो और राज्य समिति ने देश में मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया है।

टीएसपीसी और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ दोनों ओर से करीब 50 राउंड फायरिंग

रांची । झारखंड की राजधानी रांची के बाहरी इलाके में सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित संगठन तृतीय-सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के उग्रवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। पुलिस अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रांची के बुडमू प्रखंड के सुमो जंगल में आठ बजे के आसपास उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सुरक्षाबल तलाशी अभियान पर थे। अधिकारी के मुताबिक सुरक्षाबल जैसे ही इलाके में पहुंचे टीएसपीसी के उग्रवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया दोनों ओर से करीब 50 राउंड गोलियां चलीं। बाद में उग्रवादी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। इसके बाद घटनास्थल से 777 आईएनएसयूएस गोलियां सात वॉकी-टॉकी और आठ वॉकी-टॉकी चार्जर बरामद किए हैं। कौशल ने बताया कि मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है झारखंड जैगुआर की एक टीम को इलाके में तलाशी अभियान चलाने के लिए रवाना किया है। पुलिस के मुताबिक रांची के एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी के एरिया कमांडर विक्रम गांझू की टीम इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए वहां डेरा डाले हुए है।

ईडी ने छापेमारी में सबूतों को नष्ट करने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई । महाराष्ट्र पुलिस ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर राज्य के सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष और उनके परिवार के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी की उसकी कार्रवाई में बाधा पहुंचने की कोशिश और सबूतों को नष्ट किया गया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह मामला पुणे स्थित सेवा विकास सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अमर मूलचंदानी सहित पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ कथित करीब 494 करोड़ रुपये की अनियमितता से जुड़े धनशोधन से संबंधित है जिसकी जांच ईडी कर रहा है। ईडी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने 27 जनवरी की सुबह मूलचंदानी के पिम्परी चिंचवाड़ (पुणे के करीब) स्थित परिसरों में छापेमारी की कार्रवाई की थी लेकिन वे घर में दाखिल नहीं हो सके क्योंकि किसी ने दरवाजा नहीं खोला। उन्होंने कहा कि इसके बाद ईडी ने ताला खुलाने वाले को बुलाकर ताला खुलवाया और तब अधिकारियों ने पाया कि मकान के भीतर कम से कम पांच लोग मौजूद हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मकान में मौजूद लोगों ने ईडी टीम को सूचित किया कि मूलचंदानी वहां पर मौजूद नहीं हैं और धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया। ईडी अधिकारियों ने तलाशी के करीब छह घंटे बाद पाया कि घरेलू सहायक का कमरा बंद है और जब चाबी मांगी गई तब वहां मौजूद लोगों ने इसमें असमर्थता जाहिर की सूत्रों के मुताबिक इसके बाद फिर चाबी वाले को बुलाकर ताला तुड़वाया गया कमरे के भीतर मूलचंदानी 'छिपे' हुए थे। उन्होंने बताया कि ईडी ने इसके बाद दो महिलाओं सहित सभी छह लोगों के खिलाफ तलाशी के दौरान असहयोग कर सबूतों को छिपाने/नष्ट करने की शिकायत पुलिस के समक्ष दर्ज कराई जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

लद्दाख में चीन के खिलाफ मोदी सरकार की डीडीएलजे नीति

-जयराम रमेश ने बताया- मोदी सरकार का मंत्र डिनाई डिस्ट्रैक्ट लाई व जस्टीफाई यानी डीडीएलजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान लद्दाख में चीन से सीमा विवाद पर राहुल गांधी के बयान की खिंचाई की थी। जयशंकर ने कहा था कि जिन इलाकों पर चीन के कब्जे की बात वो कर रहे हैं वो 1962 की बात है आज की नहीं। अब जयशंकर के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र पर सच्चाई को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मई 2020 के बाद से लद्दाख में चीनी घुसपैठ से निपटने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की पसंदीदा रणनीति है डीडीएलजे। जयराम रमेश ने डीडीएलजे की मीनिंग भी बताई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मंत्र है- डिनाई (इनकार) डिस्ट्रैक्ट (ध्यान भटकाना) लाई(झूठ) और जस्टीफाई (न्यायोचित ठहराना)। सोमवार को कांग्रेस ने मोदी सरकार पर नया हमला बोलते हुए बॉलीवुड की पॉपुलर फिल्म डीडीएलजे की नई मीनिंग इजात कर डाली।

जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की कांग्रेस पार्टी पर हमला करने वाली हालिया टिप्पणी मोदी सरकार की विफल चीन नीति से ध्यान हटाने का नवीनतम प्रयास है सबसे हालिया रहस्योद्घाटन यह है कि मई 2020 के बाद से भारत ने लद्दाख में 65 में से 26 गश्त बिंदुओं तक पहुंच खो दी है। रमेश ने कहा कि तथ्य यह है कि 1962 से आज की तुलना ऐसे वक्त में की जा रही है जब 2020 से भारत अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए चीन के साथ संघर्ष कर रहा है। भारत ने इस पर इनकार के साथ चीनी आक्रामकता को स्वीकार कर लिया है। रमेश ने यह बात जयशंकर के उस बयान के कुछ दिनों बाद कही है जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ लोग जान-बूझकर चीन मुद्दे के बारे में गलत खबरें फैलाते हैं। यह जानते हुए कि यह सच नहीं है यह सब राजनीति के लिए किया जा रहा है। दरअसल 1962 में चीन ने कब्जा किया था जिसे ऐसे बताया जा रहा है मानो आज की बात हो। जयशंकर ने यह टिप्पणी पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान की थी। उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि राहुल गांधी के हालिया बयान पर जयशंकर कमेंट कर रहे थे।

जयराम रमेश ने पूछा कि 2017 में चीनी राजदूत से मिलने के लिए राहुल गांधी पर जयशंकर का यह कहना विडंबना है कि कम से कम किसी ऐसे व्यक्ति से आ रहा है जो ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिका में राजदूत के रूप में संभवतः प्रमुख रिपब्लिकन से मिला था। क्या विपक्षी नेता राजनयिकों से मिलने के हकदार नहीं हैं? ऐसे देश जो व्यापार निवेश और सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार को शुरू से ही ईमानदार होना चाहिए था और संसदीय स्थायी समितियों में चीन संकट पर

चर्चा करके और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करके विपक्ष को भरोसे में लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कम से कम इसे प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए विस्तृत ब्रीफिंग करनी चाहिए थी।

त्रिपुराको लेकर हिमंत बिस्वा सरमा का दावा, 2018 से अधिक सीटें जीतेगी बीजेपी, लोग फिर से शांति के लिए करेंगे मतदान

अगरतला (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने विश्वास व्यक्त किया कि बीजेपी त्रिपुरा में भारी अंतर के साथ जीत दर्ज करेगी। सरमा ने कहा कि बीजेपी 2018 की तुलना में अधिक सीटें हासिल करेगी। सरमा ने नामांकन दाखिल करने के दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ माणिक साहा के साथ 30 जनवरी को अगरतला आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में एकता के लिए हमने राज्य में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया। आईपीएफटी हमारे साथ रहा है और इस बार भी वे हमारे साथ हैं। सरमा ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि त्रिपुरा में बीजेपी की सरकार बनेगी। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि हम 2018 की तुलना में अधिक सीटें जीतेंगे।

यह पूछे जाने पर कि 2018 की तुलना में असम के सीएम राजनीतिक परिदृश्य को कैसे देखते हैं, सरमा ने जवाब दिया कि 'देखिए, 2018 में पूरे राज्य में भय का शासन था। लेकिन 2023 में शांति है और लोग फिर से शांति के लिए मतदान करेंगे'। मैं आपको बता सकता हूं कि परिणाम पिछले चुनावों से बेहतर होंगे। माकपा और कांग्रेस पर टिप्पणी करते हुए सरमा ने व्यंग्यात्मक ढंग से कहा कि जब शून्य में एक और शून्य जोड़ा जाता है तो परिणाम शून्य आता है।

बता दें कि हाल ही में बीजेपी ने आगामी त्रिपुरा चुनावों के लिए राज्य की 60 विधानसभा सीटों के लिए 48 उम्मीदवारों की सूची जारी की। सूची के अनुसार मुख्यमंत्री माणिक साहा को कस्बा बोरडोवली से भाजपा प्रत्याशी बनाया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की त्रिपुरा इकाई ने 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पुराने सहयोगी इंडिजेनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के साथ सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है और अपने सहयोगी को पांच सीट दी हैं, जो उसे 2018 के चुनाव मिली सीट से चार कम हैं।

हिन्दुओं की आस्था व सनातन संस्कृति का अपमान करने वाले मौर्य को अखिलेश ने दिया इनाम : अखिलेश यादव

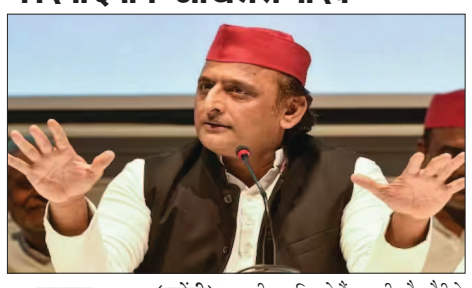

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीरामचरितमानस पर विवादित बयान देने के कुछ ही दिन के भीतर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को समाजवादी पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमले तेज कर उनकी तुलना मोहम्मद गजनी और मोहम्मद गौरी से की है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश द्वारा मौर्य को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके इस फैसले से साबित हो गया है कि वे मौर्य के हिन्दू आस्था और सनातन संस्कृति पर प्रहार करने वाले बयान के साथ हैं।

प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि सपा प्रमुख के कार्य गजनी और गौरी की याद दिलाते हैं। गजनी और गौरी ने बाहर से आकर सनातन संस्कृति और हिंदुओं की आस्था पर प्रहार किए वहीं काम सपा प्रमुख यहां रहकर कर रहे है। गजनी और मोहम्मद गौरी विदेशी आक्रांता थे जिन्होंने भारत पर कई बार आक्रमण किए और मंदिरों में तोड़फोड़ एवं लूटपाट किया। चौधरी ने कहा अखिलेश ने हिन्दुओं की आस्था व सनातन संस्कृति का अपमान और रामचरितमानस का अनादर करने के लिए राष्ट्रीय महामंत्री बनाकर मौर्य को इनाम दिया है। सपा प्रमुख ने घृणित बयान देने वाले मौर्य को महामंत्री बनाकर हिन्दू सम्मान स्वाभिमान और आस्था को चोट पहुंचाने के अपने इरादे साफ कर दिए है।

टिकट नहीं मिला तो भाजपा व कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की

अगरतला। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों के नेताओं ने 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने के विरोध में विभिन्न जिलों में इस्तीफे आंदोलन और यहां तक कि पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की है। कम से कम दो भाजपा नेताओं सिपाहीजला जिले के कमलासागर निर्वाचन क्षेत्र से श्यामल भक्त चौधरी और उत्तरी त्रिपुरा के जुबराजनगर से निहारेंदु देबनाथ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने की संभावना है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्जी पर आरोप लगाते हुए चौधरी ने कहा कि उन्हें पार्टी के टिकट का आश्वासन दिया गया था लेकिन पार्टी ने कमलासागर में पश्चिम त्रिपुरा जिला सभाधिपति अंतरा देब सरकार को मैदान में उतारा है जिससे नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच इस क्षेत्र में गंभीर प्रतिक्रिया हुई है। उत्तरी त्रिपुरा के कंचनपुर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सहयोगी इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) को कंचनपुर सीट आवंटित किए जाने का कड़ा विरोध किया और पार्टी के उम्मीदवार के रूप में बिमनजॉय रियांग को चुना। स्थानीय भाजपा नेताओं ने एक बड़ी सभा के बाद मीडिया को बताया कि आईपीएफटी के वर्तमान विधायक और मंत्री प्रेम कुमार रियांग ने क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया और यहां तक कि पिछले पांच वर्षों के दौरान उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के कई हिस्सों का दौरा भी नहीं किया।

अमित शाह को हरियाणा में सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा में सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने का भरोसा जताया है। अब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता के इस दावे को जननायक जनता पार्टी के लिए संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है। दरअसल दोनों दल मिलकर हरियाणा में सरकार चला रहे हैं। हालांकि ताजा सियासी घटनाक्रम को लेकर दोनों पार्टियों की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। शाह का हरियाणा दौरा खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया था। शाह रविवार को राज्य में एक रैली को संबोधित करने वाले थे। हालांकि उन्होंने फोन के माध्यम से रैली को संबोधित किया। शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि 2024 के चुनावों में राज्य की सभी लोकसभा सीट पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलेगा। भाजपा ने 2019 में हरियाणा से लोकसभा की सभी 10 सीट पर जीत दर्ज की थी। भाजपा की हरियाणा इकाई पिछले कुछ हफ्तों से रैली की तैयारी कर रही थी और शाह यहां पार्टी की एक बैठक को संबोधित करने वाले थे। गोहाना सोनीपत जिले में पड़ता है जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का दबदबा रहा है। खबर है कि जेजेपी साल 2024 में भाजपा के साथ चुनाव

लड़ने की इच्छा जाहिर कर रही है। बीते विधानसभा चुनाव में 90 सीटों वाले राज्य में जेजेपी ने 10 सीटें जीती थीं जबकि भाजपा के खाते में 40 सीटें आई थीं। इसके बाद दोनों दलों ने हाथ मिलाकर राज्य में सरकार बनाई। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने दिसंबर में घोषणा की थी कि उनकी पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन में 2024 का विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़ेगी। अब कहा जा रहा है कि रविवार को शाह की तरफ से आया बयान भाजपा कैडर के लिए संकेत हो सकता है कि अपने दम पर 10 लोकसभा सीटों पर लड़ने की तैयारी करो। साल 2023 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले चौटाला भी संकेत दे चुके हैं कि उनकी पार्टी राजस्थान में चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि राजस्थान में भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

मर जाना कबूल है, लेकिन अब भाजपा के साथ जाना नहीं, सीएम नीतीश कुमार का बड़ा बयान

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में इन दिनों अटकलों का बाजार खूब गर्म है। पुराने सहयोगी और वर्तमान में विपक्षी बने नेताओं के बीच बयानबाजी भी खूब चल रही है। कभी न साथ आने और जीने-मरने की कसमें भी खाई जाने लगी है। शुरुआत बीजेपी की तरफ से हुई जब नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे बंद होने की बात कही गई। जिसपर नीतीश कुमार की तरफ से भी प्रतिक्रिया दी गई। उन्होंने दो टूक कहा कि मर जाना कबूल है, लेकिन अब बीजेपी कबूल नहीं। दरअसल, महात्मा गांधी की पुण्यतिथी के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में कहा कि बापू तो सबको बचा रहे थे, सबको साथ लेकर चलते थे। इसलिए उनकी हत्या हुई।

नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोग अटलजी को मानने वाले लोग हैं। उन्होंने दावा किया कि हमने बीजेपी को छोड़ दिया था। लेकिन वे जबरदस्ती पीछे पड़ कर साथ आए। 2020 में हम तो मुख्यमंत्री बनना नहीं चाहते थे। लेकिन इन्होंने जो किया सबने देखा। हम लोगों ने इन्हें कितनी इज्जत दी। बता दें कि इससे पहले बीजेपी की बिहार इकाई के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि समूचे राज्य के पार्टी कार्यकर्ताओं को साफ बता दिया गया है कि 'अलोकप्रिय' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से फिर से हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं है।

जायसवाल ने यह टिप्पणी उत्तर बिहार के दरगंभा में प्रदेश भाजपा की दो दिवसीय राज्य कार्यकारिणी की बैठक के समापन अवसर पर की। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री कुमार की पार्टी जनता दल- यूनाइटेड (जदयू) ने भाजपा के साथ

गठबंधन तोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) व कांग्रेस के साथ सरकार बना ली थी। जायसवाल ने कहा, ÷हमने (कुमार के साथ) फिर से हाथ मिलाने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में अफवाहों को खत्म करने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री में पेंडुलम की तरह दोलन करने की प्रवृत्ति है। लेकिन हम उनके हाथों फिर से धोखा खाने वाले नहीं हैं।

अब यूक्रेन युद्ध पर बनी डॉक्यूमेंट्री पर विवाद

नई दिल्ली । भारत में बीबीसी की गुजरात दंगों पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री विवादों में है। इसी बीच अब यूक्रेन युद्ध पर जारी एक डॉक्यूमेंट्री भी विवादों में आ गई है। खबर है कि इसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। कहा जा रहा है कि पश्चिमी देशों में इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इंडिया- द मोदी क्वेश्चन को लेकर भारत में जमकर विरोध प्रदर्शन जारी है। सरकार ने इसके प्रसारण पर रोक लगा दी है लेकिन इसके बावजूद दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानों में सार्वजनिक तौर पर प्रसारण और बाद में हिंसा की खबरें सामने आईं। हाल ही में राजस्थान सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने फिल्म को देखने के चलते 11 छात्रों को सस्पेंड कर दिया है। मुंबई में भी टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में प्रबंधन की तरफ से इनकार किए जाने के बाद भी छात्रों के एक समूह ने लैपटॉप और फोन पर फिल्म देखी।

लंदन स्थित बीबीसी के मुख्यालय पर भारतीय प्रवासियों की भीड़ ने जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी लगातार बीबीसी से डॉक्यूमेंट्री नहीं दिखाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान कई लोग बॉयकॉट बीबीसी ब्रिटिश बायस कॉर्पोरेशन बीबीसी यू डोन्ट डिजर्व पब्लिक मनी जैसे तख्तियां दिखा रहे थे। केंद्र सरकार की तरफ से डॉक्यूमेंट्री पर बैन लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली के एक वकील ने मनमाना और असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। याचिकाकर्ता ने सरकार के 21 जनवरी के आदेश को रद्द करने की भी मांग उठाई है।

आगामी चुनावों को हिंदू-मुस्लिम उन्माद पर पोलराइज करने के लिए सपा-भाजपा की मिलीभगत: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के श्रीरामचरितमानस पर विवादित बयान को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आक्रामक रुख के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को भाजपा और सपा पर निशाना साधा। मायावती ने कहा कि भाजपा की प्रतिक्रिया के बावजूद सपा नेतृत्व की चुप्पी से स्पष्ट है कि इसमें दोनों पार्टियों की मिलीभगत है, ताकि आगामी चुनावों में हिंदू-मुस्लिम उन्माद पर ध्रुवीकरण किया जा सके। बसपा प्रमुख ने सोमवार को ट्वीट किया, 'संकीर्ण राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए नए-नए विवाद खड़े करने, जातीय-धार्मिक द्वेष फैलाने, उन्माद पैदा करने तथा धर्मांतरण का सहारा लेने की भाजपा की राजनीतिक पहचान सर्वविदित है, लेकिन रामचरितमानस की आड़ में सपा का ऐसा ही राजनीतिक रंग-रूप दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।'

उन्होंने आगे कहा, 'रामचरितमानस के खिलाफ सपा नेता की टिप्पणी पर उठे विवाद और फिर उसे लेकर भाजपा की प्रतिक्रियाओं के बावजूद सपा नेतृत्व की चुप्पी से स्पष्ट है कि इसमें दोनों पार्टियों की मिलीभगत है, ताकि आगामी चुनावों को जनता के ज्वलंत मुद्दों के बजाय हिंदू-मुस्लिम उन्माद पर 'पोलराइज' किया जा सके।' एक अन्य ट्वीट में मायावती ने कहा, 'उत्तर प्रदेश में हुए पिछले विधानसभा चुनावों को भी सपा-भाजपा ने षड्यंत्र के तहत मिलीभगत करके धार्मिक उन्माद के जरिये घोर सांप्रदायिक बनाकर एक-दूसरे के पूरक के रूप में काम किया। इसी की वजह से भाजपा दोबारा यहां सत्ता में आ गई। ऐसी घृणित राजनीति का शिकार होने से बचना जरूरी है।'

स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 जनवरी को एक बयान में श्रीरामचरितमानस की एक चौपाई का जिक्र करते हुए इसे महिलाओं तथा पिछड़ों के प्रति अपमानजनक करार दिया था और इस पर पाबंदी लगाने की मांग की थी। उनके इस बयान पर खासा विवाद उत्पन्न हो गया था। संत समाज और हिन्दूवादी संगठनों ने भी इसका कड़ा विरोध किया था। इस मामले में मौर्य के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ है। सपा ने रविवार को अपनी 62 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की थी, जिसमें स्वामी प्रसाद मौर्य को राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व सौंपा गया। इसके बाद भाजपा का रुख और आक्रामक हो गया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं ने सपा प्रमुख पर हिंदुओं की आस्था का अपमान करने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में हिंदू व ईसाई परिवारों के घर किए गए ध्वस्त, सड़कों पर फेंका गया सामान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के रावलपिंडी में अधिकारियों ने हिंदू और एक ईसाई परिवार के घरों को ध्वस्त कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार ये परिवार पिछले 70 वर्षों से इस इलाके में रह रहे थे। सूत्रों के अनुसार, 27 जनवरी को रावलपिंडी के छावनी क्षेत्र में कम से कम पांच घरों को तोड़ा गया, जो एक हिंदू परिवार, एक ईसाई परिवार और शियाओं के थे। उनका सामान मोहल्ले की सड़कों पर फेंक दिया गया। हिंदू परिवार को पास के एक मंदिर में शरण लेने के लिए मजबूर किया गया, जबकि ईसाई परिवार और शिया बिना किसी आश्रय के रहने को मजबूर हैं। सूत्र बताते हैं कि पीड़ित परिवारों ने अदालत से स्टे ऑर्डर लेने की कोशिश की, लेकिन अधिकारियों ने बल प्रयोग कर उनके घरों को तोड़ दिया। एक हिंदू पीड़ित ने कहा कि वे माफिया हैं और कम से कम 100 लोगों के समूह में आए थे। उन्होंने हमें परेशान भी किया, हम पर हमला भी किया क्योंकि हमने उनका मुकाबला करने की कोशिश की। वे इतने शक्तिशाली हैं कि पुलिस स्टेशन में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा, ‘‘हमने एक अदालत में उनका विरोध करने की कोशिश की, लेकिन छावनी बोर्ड के पास केवल एक न्यायाधीश नवीद अख्तर हैं, जो उनका पक्ष लेते हैं। हमारे पास सभी कागजात थे क्योंकि हम यहां 70 से अधिक वर्षों से रह रहे हैं। उनके पास नहीं है।’’ हमें नोटिस दिया और अपने घरेलू सामान को बचाने के लिए समय नहीं दिया। हमारे पास परिवार को मंदिर ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक पिछले कई दशकों से उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर सरकार, पुलिस और यहां तक ??कि न्यायपालिका भी मूकदर्शक बनी हुई है।

चीन के उत्तरपश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में भूकंप के जोरदार झटके

बीजिंग। उत्तरपश्चिमी चीन के एक दूरस्थ इलाके में सोमवार को सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। चीन की आधिकारिक शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप के बाद जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। भूकंप सुबह सात बजकर 49 मिनट पर आया। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने फुटेज जारी किए जिसमें एक हवाई अड्डे से लोगों को निकालते हुए देखा गया। ‘चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर’ ने भूकंप की तीव्रता 6.1 बतायी जबकि अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएस जियोलॉजिकल सर्वे) ने भूकंप की तीव्रता 5.7 बतायी। संसाधन संपन्न शिनजियांग, चीन के भूकंप के लिहाज से सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है। हाल में चीन में सबसे खतरनाक भूकंप 2008 में सिचुआन प्रांत में आया था जिसमें करीब 90,000 लोगों की मौत हो गयी थी। सिचुआन प्रांत शिनजियांग के दक्षिण में स्थित है।

अब इस खाड़ी देश ने कर दी शहबाज की भारी बेइज्जती राष्ट्रपति को करना था इस्लामाबाद का दौरा, ‘खराब मौसम’ को वजह बता किया रद्द

इस्लामाबाद । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने खराब मौसम की स्थिति के कारण इस्लामाबाद की अपनी आधिकारिक यात्रा रद्द कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति आज अपने देश लौट आएंगे और उन्होंने पाकिस्तानी सरकार को जल्द ही एक और दौरे का आश्वासन दिया है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि मौसम की स्थिति के कारण राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान की पाकिस्तान के अनुकूल इस्लामिक गणराज्य की आज की यात्रा को बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दिया गया है। हालाँकि, उन्होंने अपनी अगली यात्रा के लिए समय निर्दिष्ट नहीं किया है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के आगमन के कारण इस्लामाबाद के प्रशासन ने 30 जनवरी (आज) के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। संघीय सूचना और प्रसारण मंत्री मरियम औरंगज़ेब ने रिपोर्टों की पुष्टि की और कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति की आज की पाकिस्तान यात्रा मौसम की स्थिति के कारण बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दी गई है। राष्ट्रपति नाहयान 25 जनवरी को पाकिस्तान पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने किया था। कथित तौर पर, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शिकार के लिए दक्षिण पंजाब में स्थित रहीम यार खान आए थे।

नाइजीरिया में दो सड़क हादसों में 20 लोगों की मौत

अबुजा। दक्षिणी नाइजीरिया में दो अलग-अलग सड़क हादसों में बच्चों सहित 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जान गंवाने वाले 11 लोग इस हद तक जल गए हैं कि उनकी पहचान करना भी मुमकिन नहीं है। आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी से जुड़े डॉ. ओलुफेमी ओके-ओसानिनटोलू ने रविवार को एक बयान में बताया कि नाइजीरिया के ओजुलेग्बा में व्यस्त पुल पर भारी कंटेनर ले जाने वाला ट्रक एक वाणिज्यिक बस से टकरा गया। उन्होंने कहा, ‘‘आगे की जांच में पता चला कि हादसे के समय बस में यात्री चढ़ रहे थे, तभी ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और वह बस पर गिर गया।’’ उन्होंने बताया कि हादसे में केवल एक महिला बच पाई, जबकि दो बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, नाइजीरिया की सड़क सुरक्षा एजेंसी ने बताया था कि रविवार को लागोस के पास ओंडो राज्य के ओडिग्बो काउंसिल इलाके में एक ट्रक और बस के बीच टक्कर में बस में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई। सड़क सुरक्षा एजेंसी से जुड़े रिचर्ड एडेटोरो ने कहा, ‘‘11 लोग हादसे में इतनी बुरी तरह से जल गए कि उनकी पहचान भी मुमकिन नहीं है।’’ नाइजीरिया के कई हिस्सों में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां सड़कों की हालत खराब है और आमतौर पर यातायात नियमों का पालन नहीं किया जाता है।

ट्यूनीशिया में मतदाताओं ने संसदीय चुनावों का बहिष्कार कर दिया

ट्यूनिस । ट्यूनीशिया में मतदाताओं ने बड़े पैमाने पर संसदीय चुनावों का बहिष्कार कर दिया है। इस चुनाव को उनके राष्ट्रपति और देश के संकटग्रस्त लोकतंत्र के लिए अहम परीक्षा माना जा रहा है। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक ट्यूनीशिया के 80 लाख मतदाताओं में से महज 11.3 प्रतिशत ने ही मतदान किया। ट्यूनीशिया के कई असंतुष्ट लोग मतदान से दूर रहे और प्रभावशाली इस्लामिक पार्टी एनादहा तथा अन्य विपक्षी दलों ने मतदान का बहिष्कार किया। इस चुनाव को सत्ता पर पकड़ मजबूत बनाने इस्लामिक विरोधियों पर लगाम लगाने तथा अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए राष्ट्रपति कैस सईद के प्रयासों में एक निर्णायक कदम के तौर पर देखा गया है। लेकिन बेहद कम मतदान से भविष्य में संसद की वैधता पर संदेह पैदा हो गया है तथा इससे सईद की योजनाओं पर पानी फिर सकता है।

तुर्की में नाटो के खिलाफ अभियान शुरू संकक बोले अमेरिकी नेतृत्व वाला सैन्य ब्लाक जल्द छोड़ सकता है तुर्की

अंकारा । तुर्की में हालात तेजी से बदल रहे हैं। तुर्की की वतन पार्टी ने नाटो के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इसमें रेचप तैयप एर्दोगन सरकार से तुर्की को जल्द से जल्द नाटो से बाहर निकालने की मांग की गई है। वतन पार्टी के महासचिव ओजगुर बर्साली ने कहा कि देश भर में लेट्स लीव नाटो अभियान शुरू होने के बाद इसका समर्थन करने वाले लोगों की संख्या 1 लाख से भी ज्यादा हो गई है। यह आंकड़ा दिन प्रतिदिन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा तुर्की के लोग नाटो का विरोध करते हैं। उनका मानना है कि नाटो गठबंधन और अमेरिका हमारे देश के लिए मुख्य खतरा हैं। तुर्की और नाटो के बीच कई मुद्दों पर विरोधाभास भी है। ऐसे में तुर्की को नाटो को छोड़कर सच्चे मित्र देशों के साथ गठबंधन बनाना चाहिए। इस हफ्ते की शुरुआत में 25 जनवरी को वतन पार्टी के उप नेता एथेम संकक ने प्रेस को बताया कि तुर्की पांच से छह महीने में अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य ब्लॉक को छोड़ सकता है। उन्होंने मध्य पूर्व में यूएस-तुर्की मतभेदों और स्वीडन और नीदरलैंड में कुरान के खिलाफ अभियानों का हवाला दिया।

पाकिस्तान में एक बस हादसे के स्थल पर राहत के काम में लगे लोग।

1 मार्च से शुरू होगा अमेरिका के लिए एच1बी वीजा के लिए आवेदन

वॉशिंगटन । अमेरिका में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बहुप्रतीक्षित एच1बी वीजा के लिए आवेदन एक मार्च से किया जा सकेगा। अमेरिकी आव्रजन एजेंसी एक मार्च से कुशल विदेशी कामगारों से वीजा के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। इस वीजा की भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच सबसे अधिक मांग होती है। एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिकी कंपनियों को खास विशेषज्ञता वाले पेशेवरों में विदेशी कामगारों की भर्ती करने की अनुमति मिलती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को भर्ती करती हैं। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने कहा एक अक्टूबर 2023 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए वह एक मार्च से 17 मार्च के बीच एच-1बी वीजा के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। एच1बी वीजाधारकों को इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे विशेष क्षेत्रों में छह साल तक अमेरिका में काम करने और रहने की अनुमति देता है। छह साल बाद यह स्थाई निवास या ग्रीन कार्ड के रास्ते खोलता है। यूएससीआईएस ने कहा अगर हमें 17 मार्च तक पर्याप्त पंजीकरण मिले तो हम बिना किसी क्रम के पंजीकरण का चयन कर उपयोगकर्ताओं के ऑनलाइन खाते में अधिसूचना भेजेंगे। एक बयान के मुताबिक खाताधारकों को यह सूचना 31 मार्च तक भेजी जाएगी।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल-केरोसीन गरीबों की पहुँच से दूर, वित्त मंत्री डार ने कहा- देश अब अल्लाह के भरोसे

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। नकदी संकट से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 35-35 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि कर दी है जिससे पाकिस्तान में संकट गहरा गया है। इस बीच वहां की सरकार ने भी कह दिया है कि देश अब अल्लाह के भरोसे ही रह गया है। पाकिस्तान में आटा नहीं है, बिजली नहीं है और अब पेट्रोल-डीजल-केरोसीन भी आम जनता की पहुँच से दूर हो गया है जिससे बेहद गरीबों के लिए भुखमरी जैसी नौबत आ गयी है। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाये जाने से पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता को अब तक का सबसे तेज झटका लगा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने रविवार सुबह टीवी पर जनता को संबोधित करते हुए जब दाम बढ़ाये जाने की घोषणा की तो पूरे पाकिस्तान में जैसे हाहाकार ही मच गया। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा, ‘‘हमने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 35-35 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का फैसला किया है। केरोसिन तेल और हल्के डीजल तेल की कीमतों में भी 18-18 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।’’

हम आपको बता दें कि इस वृद्धि के साथ ही पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 249.80 रुपये प्रति लीटर, हाई-स्पीड डीजल की कीमत 262.80 रुपये प्रति लीटर, मिट्टी के तेल की कीमत 189.83 रुपये प्रति लीटर और हल्के डीजल की कीमत 187 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कीमत बढ़ने से पहले पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस बीच, पहले ही खाद्य संकट से जूझ रही और बिजली गुल होने से अंधेरे में रहने को मजबूर पाकिस्तानी जनता पेट्रोलियम पदार्थों में इस वृद्धि के चलते पाकिस्तान सरकार को और कोसने लग गयी है। जनता का कहना है कि सरकार और सेना के लोग अपना घर भरने में लगे हैं और जनता त्राहिमाम कर रही है। इस बीच, पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी तेज हो गये हैं।

हम आपको बता दें कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि उनकी पार्टी की अगुआई वाला सत्तारुढ़ गठबंधन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की कठिन शर्तों को मानने के लिए तैयार हो गया है, ताकि पाकिस्तान के लिए स्वीकृत राहत पैकेज बहाल किया जा सके। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का क्या हाल है, यह इसी से परिलक्षित होता है कि गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा है कि इस्लाम के नाम पर बनाए गए इस इकलौते देश

की समृद्धि एवं विकास के लिए अल्लाह ही जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्री का कहना है कि ÷मेरे यकीन का कारण यह है कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर बना था। अगर अल्लाह पाकिस्तान बना सकते हैं तो वह इसकी तरक्की और विकास के साथ इसे अमीर भी बना सकते हैं।÷ हम आपको बता दें कि विदेशी मुद्रा के अभाव में पाकिस्तान के सामने जरूरी चीजों की खरीद के लिए भी भुगतान करने लायक मुद्रा नहीं रह गई है। इस समस्या से निपटने के लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष समेत कई संस्थानों से आर्थिक पैकेज की तलाश में है। इस बीच, नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ अपनी महत्वपूर्ण वार्ता से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने इसके बजटीय अनुमानों में 2,000 अरब रुपये का उल्लंघन पाया है।

पाकिस्तान के पेशावर में पुलिस लाइन मस्जिद में विस्फोट, 25 लोगों की मौत, 100 लोग बुरी तरह घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को एक मस्जिद में धमाका हुआ। जानकारी के मुताबिक पुलिस लाइन इलाके के पास जुहर की नमाज के बाद धमाका हुआ। इस धमाके में अब तक 25 लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं और 100 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। विस्फोट के प्रभाव से मस्जिद का एक हिस्सा ढह गया। पेशावर के पुलिस लाइंस इलाके में सोमवार दोपहर एक मस्जिद में हुए विस्फोट में कम से कम 100 लोग घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मस्जिद के अंदर से शूट किए गए एक वीडियो में जमीन पर मलबा दिखाई दे रहा है।

लेडी रीडिंग हॉस्पिटल (एलआरसी) के प्रवक्ता मोहम्मद असीम के मुताबिक, घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। असीम ने डॉन डॉट कॉम को बताया कि इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया गया है और केवल एंबुलेंस को ही इलाके में प्रवेश करने दिया जा रहा है। टेलीविजन रिपोर्टों में कहा गया है कि विस्फोट दोपहर करीब 1ह्य40 बजे हुआ जब जुहर की नमाज़ अदा की जा रही थी। इस तरह की आखिरी बड़ी घटना पिछले साल पेशावर में हुई थी, जब पेशावर के कोचा रिसालदार इलाके में एक शिया मस्जिद के अंदर एक आत्मघाती विस्फोट में 56 लोगों की मौत हो गई थी।

यह एक विकासशील कहानी है जिसे स्थिति के विकसित होते ही अद्यतन किया जा रहा है। मीडिया में शुरुआती रिपोर्ट कभी-कभी गलत हो सकती हैं। हम संबंधित, योग्य अधिकारियों और हमारे स्टाफ रिपोर्टरों जैसे विश्वसनीय स्रोतों पर भरोसा करके समयबद्धता और सटीकता सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

उपचुनाव में सभी 33 संसदीय सीटों पर पीटीआई के इकलौते उम्मीदवार होंगे इमरान खान

इस्लामाबाद । (एजेंसी)। इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान मार्च में होने वाले उपचुनाव में सभी 33 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि यह फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक के दौरान लिया गया। कुरैशी ने कहा इमरान सभी 33 संसदीय सीटों पर पीटीआई के एकमात्र उम्मीदवार हैं। यह फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में लिया गया जिसकी अध्यक्षता खान ने जमान पार्क लाहौर में की।

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री खान देश में मार्च में 33 सीट पर होने वाले उपचुनाव में उनकी पार्टी के इकलौते उम्मीदवार हैं। उनकी पार्टी ने यह घोषणा की है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा कि यह फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में हुआ। कुरैशी ने कहा इमरान सभी 33 संसदीय सीट पर पीटीआई के इलौते उम्मीदवार हैं। यह फैसला खान की अध्यक्षता में हुई पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में किया गया। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने घोषणा की थी कि नेशनल असेंबली की 33 सीट पर उपचुनाव 16 मार्च को होने हैं।

पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से बेदखल किए गए खान की पार्टी के सांसदों ने पाकिस्तान संसद के निचले सदन (नेशनल असेंबली) को छोड़ दिया था। हालांकि सदन के अध्यक्ष (स्पीकर) राजा परवेज अशरफ ने सांसदों के इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया और कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से सत्यापित करने की आवश्यकता है कि क्या सांसद अपनी मर्जी से इस्तीफा दे रहे हैं या दबाव में।

शीर्ष अमेरिकी नेतृत्व से महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे एनएसए डोभाल

- 31 जनवरी को व्हाइट हाउस में दोनों पक्षों के बीच होगी बैठक

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार यानी एनएसए अजित डोभाल ‘इनीशिएटिव फॉर क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी यानी आईसीईटी पर पहली उच्च-स्तरीय बैठक के तहत अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन सहित शीर्ष अमेरिकी नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। अधिकारियों शिक्षाविदों और उद्योग के विशेषज्ञों का मानना ??है कि भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के बाद यह वार्ता भारत-अमेरिका संबंधों में बड़ा मील का पत्थर साबित हो सकती है। डोभाल आईसीईटी के लिए सोमवार को वाशिंगटन पहुंचेंगे। महत्वाकांक्षी आईसीईटी बैठक के एजेंडे को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी 31 जनवरी को व्हाइट हाउस में दोनों पक्षों के बीच बैठक की समाप्ति के बाद दिए जाने की संभावना है।

भारत और अमेरिका को उम्मीद है कि यह बैठक दोनों देशों के कॉरपोरेट क्षेत्रों के बीच एक विश्वसनीय भागीदार पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखेगी ताकि स्टार्टअप की संस्कृति से फल-फूल रही सार्वजनिक-निजी साझेदारी पर जोर देने वाले दोनों देश वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तानाशाही हुकूमतों के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें। मई 2022 में तोक्यो में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय मुलाकात के बाद जारी एक संयुक्त बयान में पहली बार आईसीईटी का जिक्र किया गया था। डोभाल असामान्य रूप से बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका पहुंच रहे हैं जिसमें सचिव स्तर के पांच अधिकारी और उन भारतीय कंपनियों का कॉरपोरेट नेतृत्व शामिल है जो भारत में कुछ अत्याधुनिक अनुसंधान कर रहे हैं।

एनएसए डोभाल के साथ अमेरिका जाने वाले सचिव स्तर के पांच अधिकारियों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार जी सतीश रेड्डी दूरसंचार विभाग के सचिव के राजाराम और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक समीर वी कामत शामिल हैं। आईसीईटी के तहत दोनों देशों ने सहयोग

के छह क्षेत्रों की पहचान की है।

दोनों देशों के बीच सहयोग सह-विकास और सह-उत्पादन के सिद्धांत पर आधारित होगा जिसे धीरे-धीरे क्वाड (अमेरिका भारत ऑस्ट्रेलिया जापान का रणनीतिक समूह) फिर नाटो (उत्तर एटलांटिक संधि संगठन) और फिर यूरोप और बाकी दुनिया में विस्तारित किया जाएगा। इसका मकसद बाकी दुनिया को ऐसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां प्रदान करना है जो तुलनात्मक रूप से काफी सस्ती हों। भारत और अमेरिका ने आईसीईटी के तहत सहयोग के लिए जिन छह क्षेत्रों की पहचान की है उनमें वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास क्वांटम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमता) रक्षा नवाचार अंतरिक्ष तथा 6जी और सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत संचार पद्धतियां शामिल हैं।

यूक्रेन से पहले पुतिन ने ब्रिटेन पर हमला करने की दी थी धमकी

- बोरिस जॉनसन बोले- मुझे फोन पर धमकाया

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक बड़ा खुलासा किया है। जॉनसन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करने से पहले मुझ पर मिसाइल दागने की धमकी दी थी। पूर्व पीएम ने कहा कि पिछले साल 24 फरवरी को रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने से पहले पुतिन ने मुझे साथ न देने को कहा था। जॉनसन ने बताया कि एक फोन कॉल के दौरान पुतिन में मिसाइल हमले की धमकी दी थी। हाल ही में बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री में पूर्व ब्रिटिश पीएम ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति ने मुझे कहा था कि मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहता लेकिन तुम पर एक मिसाइल गिराने में मुझे केवल एक मिनट लगेगा। पूर्व प्रधानमंत्री जॉनसन ने यह भी कहा कि उन्होंने पुतिन को चेताया था कि अगर वे यूक्रेन पर हमला करते हैं तो रूस मुसीबत में फंस सकता है क्योंकि पश्चिमी देश उन पर प्रतिबंध लगा देंगे और अधिक नाटो सैनिकों को रूसी बोर्डर पर बढ़ा दिया जाएगा मिलेगा। उन्होंने पुतिन को यह कहकर रूसी सैन्य कार्रवाई को रोकने की भी कोशिश की कि यूक्रेन निकट भविष्य के लिए नाटो में शामिल नहीं होगा। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में ब्रिटेन के रक्षा सचिव बेन वालेस भी हैं जो पिछले साल 11 फरवरी को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई से मिलने के लिए मास्को गए थे। डॉक्यूमेंट्री में से पता चला कि वैलेस इस आश्वासन के साथ गए थे कि रूस यूक्रेन पर आक्रमण नहीं करेगा लेकिन उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष जानते हैं कि यह एक झूठ है। उन्होंने रूस के हमले को बदमाशी और ताकत का प्रदर्शन के रूप में वर्णित किया।

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों के हमले में 5 भारतीय घायल

- हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर जा रहे भारतीयों पर धावा बोला

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों की गुंडागर्दी फिर शुरू हो गई है। मेलबर्न में हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर जा रहे भारतीयों पर खालिस्तानियों ने हमला कर दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मीडिया के अनुसार इस हमले में 5 लोग घायल भी हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया के अनुसार मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वायर फाइव में खालिस्तान समर्थकों के उत्पात का एक और वीडियो वायरल हुआ है। घटना में घायलों को अस्पताल भेजा गया है। वीडियो वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा ‘भारत विरोधी गतिविधियों’ की निंदा की। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों की कड़ी निंदा करता हूं। असामाजिक तत्व जो इन गतिविधियों से देश की शांति और सद्भाव को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए और दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में दिख रहा है कि खालिस्तानी समर्थक भारतीय लोगों के साथ मारपीट कर रहे हैं जिसके बाद भारतीय घटनास्थल से भागते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में एक व्यक्ति को भारतीय झंडे को तोड़कर जमीन पर फेंकते हुए भी देखा गया। हिंदू ह्यूमन राइट्स ऑस्ट्रेलेशिया की निदेशक सारा एल गेट्स ने भी खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज ले जा रहे एक भारतीय युवक का पीछा करते हुए वीडियो ट्विटर पर शेयर किया। गेट्स ने ट्वीट किया कि तिरंगा लेकर जा रहे भारतीय युवक पर फेडरेशन स्क्वायर खालिस्तान रेफरेंडम के पास खालिस्तान समर्थक उस पर हमला कर देते हैं। मुझे उम्मीद है पुलिस आंख नहीं मूंदेगी।

खालिस्तानी हमलावरों में से एक को तलवार के साथ भीड़ की ओर बढ़ते देखा गया। मीडिया के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों ने विक्टोरिया पुलिस को सूचित किया था कि उन्होंने देश में बढ़ती खालिस्तान समर्थक गतिविधियों के खिलाफ मेलबर्न में फेडरेशन स्क्वायर पर एक विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी। मीडिया के अनुसार तलवार चलाने वाले खालिस्तानी को पुलिस ने फेडरेशन स्क्वायर पर गिरफ्तार किया है। ऑस्ट्रेलियाई हिंदू मीडिया ने ट्वीट किया कि तलवार से लैस खालिस्तानी गुंडे जिसने तिरंगा पकड़े भारतीयों पर हमला किया जिन्हें पुलिस ने मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वायर में खालिस्तानी कार्यक्रम में गिरफ्तार कर लिया।

हमले की निंदा करते हुए विक्टोरिया पुलिस ने बताया कि हिंसक हमले के बाद अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों की उम्र 30 साल के आसपास है और उन्हें दंगाई व्यवहार के लिए पेनाल्टी नोटिस जारी किया गया है। यह हमला मेलबर्न में हिंदू मंदिरों पर हमले में आग लगाने के कुछ दिनों बाद आया है। पुलिस ने कहा कि तीन पुरुष 26 जनवरी की रात करीब 10 बजे ब्लू वोक्सवैगन गोल्फ में क्लेटन साउथ के मेरिटॉन प्लेस स्थित ई-कॉमर्स सेंटर गए थे।

संपादकीय

खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है पानी

मेरे चिन्तन से कोई भी कार्य सही नहीं हो रहा है या जहाँ गलत पे गलत हो रहा है सब मूक दर्शक बने हुए हो व दोनों को सामने तो सही पीछे गलत कह रहे हो तो हम कह देते है की पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। इसको दूसरे शब्दों में हम ऐसे कह सकते है की गागर में सागर समाया शब्दों का सिन्धु । सीमित सारगर्भित शब्दों की शीतलता का अहसास है ।सबसे ज़्यादा लोकप्रिय और जनप्रिय व्यक्ति वो हैं । जो सबसे ज्यादा आप शब्द का उसके बाद हम शब्द का और सबसे कम मैं शब्द का उपयोग करते हैं । कम शब्दों मे अपनी बात समझाने वाला ही कुशल वक्ता है। जो तथ्य हीन संभाषण करता है वह केवल बकता है। सच्चा कलाकार वही होता है जो अपनी भाव भंगिमा से किसी भी बात को सही अर्थ मे समझाने की कूवत रखता है। जैसे - किसी के असाध्य बीमारी है वो शरीर को क्षीण कर चुकी है अन्तिम घड़ी निकट है , दुर्घटना हुई सामने वाले के जीवन की अन्तिम घड़ी सामने दिख रही है , बुढ़ापा है सामने दिख रहा है आउखे की घड़ियाँ कब आ जायेगी । आदि - आदि । इस तरह कुछ शब्दों में कह देता है ऐसी बात कि बदल जाता है जीवन का नजरिया भी और रवैया भी। यह उतर जाती है बात इतनी गहराई तक दिल में कि मन करता रहता है चिन्तन उसी पर दिन और रात। तभी हम कह देते है की खतरे के निशान से ऊपर बहने लग गया है पानी ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

मध्यम वर्ग व करदाताओं की बजट से उम्मीदें

निःसंदेह केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नये प्रारूप वाले टैक्स स्लैब के पुनः निर्धारण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। वर्तमान में वित्त मंत्रालय 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 5 फीसदी टैक्स लागू करता है। जबकि, 5 लाख से 7.5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 10 फीसदी और 7.5 लाख से 10 लाख रुपये तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स लागू होता है। इसी तरह 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये की आय पर 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है।

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों एक फरवरी को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए जाने वाले आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के बजट की ओर देश के छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री नये बजट के माध्यम से इस वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं। बीते दिनों एक कार्यक्रम में वित्तमंत्री ने कहा था कि मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मध्यम वर्ग के दबाव को समझ सकती हूं। चूंकि पिछले वर्ष 2022-23 के बजट में इस वर्ग को कोई बड़ी राहत नहीं मिली थी और अब महामारी के कारण दो साल की मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवरी के रास्ते पर चल पड़ी है, साथ ही पिछली कुछ तिमाहियों में कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी भी देखी गई है। इसके साथ-साथ इस बार का बजट लोकसभा चुनाव 2024 के पहले का आखिरी पूर्ण बजट है। ऐसे में सरकार द्वारा आगामी बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जा सकते हैं। निःसंदेह केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नये प्रारूप वाले टैक्स स्लैब के पुनः निर्धारण की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। वर्तमान में वित्त मंत्रालय 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 5 फीसदी टैक्स लागू करता है। जबकि, 5 लाख से 7.5 लाख रुपये तक की कुल आय पर 10 फीसदी और 7.5 लाख से 10 लाख रुपये तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स लागू होता है। इसी तरह 10 लाख रुपये से 12.5 लाख रुपये की आय पर 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। 12.5 लाख से 15 लाख रुपये पर 25 फीसदी और 15 लाख रुपये से ऊपर की कुल आय पर 30 फीसदी टैक्स दर लागू होती है। जो आयकरदाता आयकर के पुराने स्लैब को अपनाए हुए हैं उनके लिए विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जानी जरूरी है। दरअसल, मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.50 लाख की छूट पर्याप्त नहीं है। कोई व्यक्ति 1.50 लाख की छूट यदि होम लोन के मूलधन पर ले लेता है तो उसके पास अन्य जरूरी निवेश पर छूट लेने का विकल्प नहीं बचता है। अतएव धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर तीन लाख रुपये किया जाना उपयुक्त होगा। आयकर अधिनियम की धारा 80सी की सीमा बढ़ाने से सबसे ज्यादा फायदा छोटी बचत योजनाओं, बीमा पॉलिसी खरीदारों, म्यूचुअल फंड निवेशकों, लोनधारकों के निवेशकों और वरिष्ठ नागरिकों को होगा। पिछली बार वित्त वर्ष 2014-15 में इस सीमा को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया गया था। तब से इस कटौती सीमा को नहीं बदला गया है। इसी तरह सरकार द्वारा इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ाना चाहिए। अभी इस धारा के तहत 25,000 रुपये तक के प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है। इसमें पति/पत्नी, बच्चों समेत खुद की पॉलिसी पर जमा किया गया प्रीमियम शामिल होता है। अगर माता/पिता वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आते हैं और उनका प्रीमियम भरते हैं तो 50,000 रुपये तक का टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं। वृद्धावस्था में चिकित्सा व्यय में काफी बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती महंगाई और उच्च स्वास्थ्य व्यय के बीच विशेष रूप से घातक कोविड-19 महामारी के बाद वरिष्ठ नागरिकों को कुछ और कर राहत मिलनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम की कटौती को मौजूदा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये किया जाना उपयुक्त होगा। चूंकि अभी भी स्वास्थ्य संबंधी बढ़ती चुनौतियों के बीच देश में स्वास्थ्य बीमा अधिक चलन में नहीं है और अधिकतर लोगों के स्वास्थ्य बीमे का कवर अस्पताल के खर्चे से निपटने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। ऐसे में सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट को बढ़ाना चाहिए ताकि टैक्सपेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों। 80डी में कर छूट सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाये जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य बीमें को सस्ता किया जाना भी जरूरी है। इस पर 18 फीसदी जीएसटी है जिसे कम करने की जरूरत है। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की वार्षिक सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जाना चाहिए। पीपीएफ के तहत अधिकतम अंशदान सीमा बढ़ाने की मांग के पीछे तर्क यह है कि उद्यमियों और पेशेवरों द्वारा पीपीएफ का उपयोग बचत के साधन के रूप में किया जाता है। वर्ष 2023-24 के बजट में घर खरीदने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के मद्देनजर सरकार को होम लोन के ब्याज पर टैक्स छूट को बढ़ाना चाहिए और होम लोन के ब्याज रीपेमेंट पर मिलने वाले बेनिफिट की लिमिट को दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख रुपये किया जाना उपयुक्त होगा। होम लोन पर ब्याज में कटौती की सीमा को बढ़ाने से मकानों की ब्रिकी में तेजी आने की संभावना होगी। वर्तमान में ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है, के लिए मूल कर छूट की सीमा 3 लाख रुपये है। अति वरिष्ठ नागरिकों, जिनकी 80 वर्ष से अधिक आयु है, के लिए मूल कर छूट की सीमा 5 लाख रुपये है। ऐसे में आगामी बजट 2023-24 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बुनियादी आयकर छूट सीमा को संशोधित करना जरूरी दिखाई दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के एक बड़े वर्ग के पास आय का कोई अन्य नियमित स्रोत नहीं है। सामान्यतया वे अपनी छोटी बचत और उस पर अर्जित ब्याज पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में आगामी बजट में 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मूल आयकर छूट सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तथा 80 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को कर से छूट मुक्त राशि 7.5 लाख रुपये की जानी उपयुक्त होगी। अब उम्मीद है कि आगामी बजट में वित्तमंत्री नये टैक्स स्लैब के प्रारूप में बदलाव करके छोटे करदाताओं से नई राहत दे सकती हैं। इससे नए टैक्स प्रारूप के प्रति करदाताओं का आकर्षण बढ़ेगा। नए कर प्रारूप की घोषणा वर्ष 2020-21 के बजट में की गई थी, लेकिन अब तक इसके तहत लाभ लेने के लिए आयकरदाताओं का विशेष रुझान नहीं बढ़ा है। आयकर मूल्यांकन वर्ष 2022-23 में करीब 7.53 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल हुए, इनमें से 50 लाख से कम इनकम टैक्स रिटर्न नए टैक्स प्रारूप के तहत दाखिल हुए। ऐसे में आगामी बजट में नए टैक्स प्रारूप को आकर्षक व लाभप्रद बनाए जाने की संभावनाएं हैं। उम्मीद करें कि वित्तमंत्री सीतारमण वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करके करदाताओं व मध्यम वर्ग को राहत देंगी, जिसमें इस वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ेगी, नई मांग का निर्माण होगा और अर्थव्यवस्था गतिशील होगी।

आज का राशीफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

बेटियों पर बढ़ता भरोसा पितृसत्तात्मक सोच में आ रहा बदलाव

(लेखिका - सोनम लववंशी)

हमारे समाज में महिलाओं ने दशकों तक अन्याय और पूर्वाग्रह को झेला है। महिलाओं को चारदीवारी में भी लंबे समय तक कैद रखा गया। धीरे-धीरे इस परिस्थिति में बदलाव आना शुरू हुआ। जिसके बाद मातृशक्ति ने लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए अपनी एक पहचान बना ली! आज वैश्विक परिदृश्य पर महिलाएं बेड़ियों को तोड़कर अपने सपनों और लक्ष्यों को साकार कर रही हैं। जिसमें हमारे देश की महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। सुखद पहलू यह है कि हमारे समाज की सोच और धारणा भी अब मातृ शक्ति के प्रति बदल रही है। आज महिलाओं को भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहें हैं। पहले स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव किया जाता था महिलाओं को घर के कामों तक ही सीमित रखा जाता था लेकिन अब ज़मीन से लेकर आसमां तक महिलाओं की पहुँच सुनिश्चित हो चुकी है। महिलाएं स्वयं अपनी क़िस्मत की लकीर खींच रही तो पिता और पति भी अब मातृ शक्ति को पारिवारिक व्यवसाय में आगे बढ़ा रहे। जो समाज में बदलाव का संकेत है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपनी एक कंपनी क्रिश्चियन डिओर की जिम्मेदारी अपनी बेटी डेल्फिन को सौंपी है। जो आधुनिक समाज और मातृ शक्ति के सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल है। बेटियों पर उद्योगपतियों का बढ़ता भरोसा इस बात का भी द्योतक है कि अब मानवीय संवेदना और मूल्यों में भी परिवर्तन आ रहा है। पहले पितृसत्तात्मक समाज की सोच यही रहती थी कि कुल का दीपक एक लड़का ही हो सकता है। परिवार का व्यापार बढ़ाने का काम एक बेटा ही कर सकता है लेकिन इस सोच में बदलाव वैश्विक स्तर पर देखने को मिल रहा है। जिसमें हमारा देश भी पीछे नहीं है। मुग़ल काल के पश्चात भले हमारे समाज में महिलाओं के हक़ में कटौती कर दी गई लेकिन धीरे-धीरे संवैधानिक मूल्यों को तरजीह देते हुए महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। भारत में भी वर्तमान समय में कई बड़े उद्योगपति हैं। जिन्होंने अपने व्यवसाय की जिम्मेदारी बेटियों को सौंपी है। एक रिपोर्ट की मानें तो वर्तमान समय में देश में 24 फीसदी पारिवारिक व्यवसाय महिलाएं चला रही हैं। जिसमें से 76 प्रतिशत पिता और 24 फीसदी महिलाएं पति का व्यवसाय संभाल रही हैं। जो मातृ शक्ति के आत्मनिर्भर बनने और सशक्तिकरण की नई परिभाषा पेश करती है। देश में ईशा अंबानी एक ऐसा नाम है। जो 2014 से रिलायंस जियो और रिलायंस रिटेल की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह जिम्मेदारी उनके पिता मुकेश अंबानी ने दी थी। नोएल टाटा की बेटी लेह वर्ष भी 2022 से ताज होटल समूह की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इसके अलावा आदी गोदरेज की बेटी निसाबा गोदरेज वर्ष 2017 से गोदरेज समूह की कार्यकारी अध्यक्ष हैं। शिव नाडार की बेटी रोशनी ने 2020 में एचसीएल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल ली थी। ऐसे नामों की एक लंबी फेहरिस्त है। जिसमें विनिता गुप्ता देशबंधु गुप्ता की बेटी भी शामिल हैं। विनिता गुप्ता 2013 से देश की तीसरी बड़ी दवाई कंपनी ल्युपिन के प्रमुख का दायित्व निभा रही हैं। वही कुछ बेटियां ऐसी भी हैं। जिन्हें अपने पिता या पति के व्यवसाय में कोई रुचि नहीं दिखाई पड़ी तो उन्होंने स्वयं की लकीर खींचने का प्रयास किया। इसमें बोतलबंद पानी कंपनी बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान की बेटी जयंती और कुमार मंगलम की बेटी अनन्या शामिल हैं। बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान की बेटी ने अपने पिता के व्यवसाय को आगे चलाने से इनकार कर दिया। जबकि कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या ने पिता का व्यवसाय चलाने के बजाय खुद की कंपनी माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। ये कुछ ऐसी मातृ शक्ति की कहानी है। जो आज हमारे समाज को आईना दिखाने का कार्य कर रही हैं। आज महिलाएं अपने बलबूते हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रहीं हैं। साथ ही पितृसत्तात्मक सोच में बदलाव भी देखने को मिल रहा है। लोकतांत्रिक सरकारें भी लगातार आधी आबादी को पूरे अधिकार उपलब्ध कराने का भरपूर प्रयास कर रही हैं। साथ ही हमारी रहनुमाई व्यवस्था ने महिला शक्ति को जन धन योजना से जोड़कर बड़ा आर्थिक समृद्धि का कदम उठाया। उसके बाद महिलाओं के लिए अनगिनत ऐसी योजनाएं क्रियान्वित की। जिससे समाज में भ्रूण हत्या जैसे घिनौने कृत्य पर काबू पाया जा सके। आज हमारे समाज में कन्या भ्रूण हत्या के मामलों में तेजी से गिरावट आई है। जो इस तरफ़ इशारा करती है कि समाज ने अब बेटा-बेटी में भेदभाव को दरकिनार करना शुरू कर दिया है। बीते दिनों की ही बात है। जब लालू यादव की बेटी ने अपने पिता के लिए किडनी दान की थी। ऐसे में देखें तो महिलाओं को जब भी अवसर मिला है। उन्होंने हर रूप में अपने उत्तरदायित्वों का सफ़ल निर्वहन किया है और यही वज़ह है कि महिलाएं-पुरुषों से आज किसी भी मामले में उन्नीस नहीं हैं! फिर चाहें वह बात व्यापार की हो या घर-परिवार और सरकार चलाने की।

(स्वतंत्र लेखिका)

विचार मंथन

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से भारत की स्वतंत्रता और अखंडता पर खतरा

(लेखक-सनत जैन)

हिंडन बर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से भारत के शेयर बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। इस रिपोर्ट ने भारत के आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भूचाल मचा दिया है। भारत की वित्तीय संस्थान चिंता में डूब गए हैं। अडानी समूह ने दावा किया है कि अमेरिकी वित्तीय शोध फर्म की यह रिपोर्ट पूरी तरह से झूठी है। अडानी समूह ने 413 पन्नों में इसका जवाब तैयार कर वित्तीय शोध फर्म को झूठा साबित करने की कोशिश की है। अडानी समूह का कहना है कि अमेरिकी वित्तीय शोध फर्म की रिपोर्ट पूरी तरह से अडानी समूह को नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार की गई है। समूह के शेयरों के दाम गिरे हैं। अमेरिका की वित्तीय फर्म को लाभ पहुंचाने के लिए जानबूझकर सुनियोजित रूप से रिपोर्ट को प्रकाशित किया गया है। अडानी समूह ने अपने प्रतिवाद में यह भी कहा रिपोर्ट से भारत की स्वतंत्रता पर अवांछित हमला किया गया है। इससे भारत की अखंडता भारतीय संस्थानों की गुणवत्ता और उसकी महत्वाकांक्षाओं पर सुनियोजित हमला करने का आरोप लगाते हुए अपना बचाव किया गया है। स्वतंत्रता और राष्ट्रीय अखंडता के नाम पर भारत के अंदर सहानुभूति अर्जित करने का प्रयास माना जा रहा है। अडानी समूह ने कहा कि रिपोर्ट चुनिंदा गलत जानकारी और छिपाए गए तथ्यों का संयोजन है। इसके कई गुप्त मकसद हो सकते हैं। अमेरिकी फर्म की विश्वसनीयता और नैतिकता पर भी अडानी समूह ने सवाल उठाए हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय पर पेश की गई जब अडानी इंटरप्राइजेज का एफपीओ आने वाला था। अडानी समूह ने यह भी कहा कि जो 88 सवाल उससे पूछे गए थे। उनमें 65 ऐसे मामलों से संबंधित हैं। जिनका अडानी पोर्टफोलियो की कंपनियां जवाब पहले ही दे चुकी हैं। 23 प्रश्नों में से 18 सार्वजनिक शेयरधारकों और तीसरे पक्षों से संबंधित हैं तथा 5 प्रश्न काल्पनिक हैं। फर्जीवाड़े से संबंधित इस रिपोर्ट को लेकर पहली बार किसी कंपनी ने भारत की अखंडता पर इसे हमला बताते हुए भारत की स्वतंत्रता को खंडित करने का आरोप अमेरिकी कंपनी पर लगाया है। फर्जीवाड़े को यदि राष्ट्रीय एकता अखंडता और स्वतंत्रता से जोड़ा जाएगातो भविष्य में हर अपराधी इसी तरीके से अपने अपराधों को छुपाने का प्रयास करेगा। अडानी समूह को यह भी समझना होगा कि जिस तरीके से वह पूरी दुनिया के खरब पतियों को पीछे छोड़कर बहुत कम समय में उनसे आगे निकलने की होड़ में लगे हुए थे। पिछले 2 वर्षों में उन्होंने दर्जनों खरबपतियों को इस दौड़ में पीछे छोड़ दिया था। वह विश्व के तीसरे नंबर के सबसे बड़े धन कुबेर बन गए थे। जिसके कारण एक स्वाभाविक जंग में उनके प्रतिस्पर्धी भी उनके पीछे पड़ गए थे। सारे उद्योगपतियों ने अडानी समूह की इस दौड़ की सफलता का कारण कौन सा है यह जानने का प्रयास किया। इस प्रयास में जब उन्हें यह पता लगा कि सारा फर्जीवाड़ा गलत जानकारी देकर और गलत तरीके से इस दौड़ में वह आगे निकल रहे हैं। निश्चित रूप से उन्होंने इसका उपयोग अपनी रक्षा के लिए किया है। इसे गलत कैसे माना जा सकता है। 2 साल अडानी समूह की सफलता के सबसे बड़े साल थे। इन्हीं 2 सालों की उनके ही प्रतिस्पर्धियों ने अदानी समूह के तौर-तरीकों और उन्हें मिलने वाली सफलता की गहन जांच के बाद हिंडन वर्ग की रिपोर्ट के रूप में सामने आई है। इसे आसानी से झुठला पाना या भारत की स्वतंत्रता और अखंडता के नाम पर अपने आप को सुरक्षित बनाने का प्रयास अडानी समूह का सफल नहीं हो सकता है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया भर के उद्योगपतियों और व्यापार के लिए एक नया बाजार खुला था। इसी तरीके से अब अपने बचाव के लिए सारी दुनिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से सक्षम हैं। हिंडनबर्ग और दुनिया भर के उद्योगपतियों को मालूम था कि इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होगी। भारत की संवैधानिक संस्थाएं और भारत सरकार अडानी समूह के पक्ष में खड़ी होगी। ऐसी स्थिति में इस लड़ाई का भारत में कोई फायदा नहीं होगा। यही समझते हुए कंपनी ने अडानी समूह के लिए रिपोर्ट प्रकाशित कर यह बाध्यता पैदा कर दी है। अडानी समूह कोई भी कानूनी कार्यवाही करेवह अमेरिका में ही होगी। अमेरिका की संस्थाओं को प्रभावित कर पाना अडानी समूह के लिए संभव नहि होगा। इसी तरीके से विश्व भर के जिन कुबेर पतियों को पीछे छोड़कर वह तेजी के साथ आगे बढ़ रहे थे।

रह रही हैं घर से दूर, तो ऐसे सजाएं अपना कमरा

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय-

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ-सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।

अपनाएंगी यह ट्रिक्स तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं। कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी-कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार-बार उलझने से बचा सकते हैं-

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग-अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार-बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह-तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर-उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार-बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग-अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक-एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग-अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।

स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी-छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक-दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल-मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

गंदा हो गया है ईयरफोन का वायर तो उसे ऐसे करें क्लीन

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।

कमरों में फैली तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह आसान हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर-फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

किताबों की लें मदद

अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर

अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कई घरेलू समस्याओं के लिए एक समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं-

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे-रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ-साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे-रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं। बुक्स के साथ-साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।

बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता-मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय: खाने-पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक-भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने-पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने-पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह-तरह की खाने की चीजें मिलती हैं। हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने-पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन रुपया अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ ही 81.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में यह उछाल डॉलर के कमजोर होने के साथ ही कच्चे तेल कीमतों में गिरावट से भी आया है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.69 पर कमजोर खुला पर दिन के कारोबार में यह 81.72 के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 81.49 रुपये प्रति डॉलर के शीर्ष पर पहुंचा। इसके बाद कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव से नौ पैसे ऊपर आकर 81.50 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 81.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी नीचे आकर 101.76 रह गया।

गूगल के सीईओ के वेतन में हो सकती है कटौती!

नई दिल्ली । दिग्गज टेक कंपनी गूगल हाल ही में पूरी दुनिया से अपने 12000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। अब गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और सीनियर एग्जीक्यूटिव्स के लिए वेतन कटौती की घोषणा कर सकता है। कर्मचारियों के साथ एक टाउन हॉल बैठक में पिचाई ने हाल ही में कहा था कि सीनियर वाइस प्रेजिडेंट के स्तर के ऊपर पदों पर मौजूद सभी कर्मचारियों के वेतन में कटौती की जाएगी। पिचाई ने कहा था कि सीनियर वाइस प्रेजिडेंट से ऊपर के सभी कर्मचारियों के सालाना बोनस में बड़ी कटौती होगी। उन्होंने वेतन में कटौती को लेकर साफ तौर पर बात नहीं की। उन्होंने इस बारे में बात नहीं की कि कौन प्रभावित होगा।यह संभावना है कि वह सीनियर एग्जीक्यूटिव्स के रूप में अपने वेतन में कटौती भी करेंगे। कंपनी अमेरिका में अपने कर्मचारियों को पूरे नोटिफिकेशन पीरियड (न्यूनतम 60 दिन) का भुगतान करेगी। इसके अलावा 16 हफ्ते के वेतन के साथ ही गूगल में हर अतिरिक्त साल पर दो हफ्ते का पैसा और कम से कम 16 हफ्तों का जीएसवी (गूगल स्टॉक यूनिट) सहित एक अच्छे सेवरेंस पैकेज की पेशकश करेगी। इसके अलावा 2022 का बोनस और वैकेशन के साथ ही 6 महीने के लिए हेल्थकेयर जॉब प्लेसमेंट सर्विसेज और इमिग्रेशन सपोर्ट दिया जाएगा।

सेमसंग के लाखों यूज़र्स पर खतरा सरकार ने जारी की चेतावनी

मुंबई । आज के समय में स्मार्टफोन हमारी लाइफ का अहम हिस्सा हैं क्योंकि इससे बैंक के काम फोटोग्राफी मैप पर रास्ता देखने जैसे कई काम आसानी से किए जा सकते हैं। फोन जितना आसान और ज़रूरी हो गया है डेटा लीक होने का खतरा भी उतना ही बढ़ गया है। इसलिए कंपनी हमे समय-समय पर सॉफ्टवेयर अपडेट इंस्टॉल करने की सलाह देती हैं. सैमसंग ने यूज़र्स को ऐप्स के लेटेस्ट वर्जन पर काम करने की सलाह दी है ताकि वह सुरे क्षित रहे। सैमसंग गैलेक्सी का इस्तेमाल लाखों लोग रहे हैं। हालांकि अभी भी कई लोग पुराने वर्जन का इस्तेमाल कर रहे हैं और डराने वाली बात ये है कि पुराने वर्जन को आसानी से हैक किया जा सकता है। सैमसंग गैलेक्सी स्टोर ऐप में ऐसी ही एक खामी देखी गई है और भारत सरकार ने सैमसंग गैलेक्सी यूजर्स के लिए एक चेतावनी जारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुलासा किया है कि सैमसंग गैलेक्सी स्टोर ऐप में एक खामी की सूचना दी गई है जो एक स्थानीय हमलावर को टारगेट फोन पर अनचाही ऐप इंस्टॉल करने या कोड डालने की अनुमति दे सकती है। ये खामी सैमसंग गैलेक्सी स्टोर ऐप के 4.5.49.8 से पहले वर्जन वाले सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन यूज़र्स को प्रभावित करेगी। बताया गया है कि ये खामी एंड्राइड 13 पर फोन चलाने वालों पर कोई असर नहीं करेगी। यदि आप गूगल क्रोम में मैलिशयस हाइपरलिंक या पहले से इंस्टॉल किए गए एप्लिकेशन को टैप करते हैं तो एक हमलावर इस खामी का फायदा उठा सकता है। सैमसंग गैलेक्सी स्टोर ऐप के यूज़र्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने ऐप को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट करें।

अडानी समूह के शेयरों में तेजी अपर सर्किट पर कई शेयर

नई दिल्ली ।

अडानी समूह और अमेरिकी इनवेस्टमेंट फर्म हिंडनबर्ग के बीच जुबानी जंग जारी है। अडानी समूह द्वारा 413 पेज में हिंडनबर्ग के आरोपों का जवाब देने के बाद फिर हिंडनबर्ग ने पलटवार किया है। इस बीच अडानी ग्रुप की कई कंपनियों के शेयरों में सोमवार को अच्छी तेजी आई है। अडानी एंटरप्राइजेज अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन अंबुजा सीमेंट और एसीसी के शेयरों ने शुरुआती कारोबार में 10 फीसदी के अपर सर्किट को छुआ है। वहीं अडानी टोटल गैस के शेयर 20 फीसदी के लोअर सर्किट पर हैं। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 10 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 3038.35 रुपए पर पहुंचे। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के शेयर भी 10 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 658.45 रुपए पर पहुंचे। अडानी पोर्ट्स के शेयर करीब 3 फीसदी की तेजी के साथ 616.90 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे` थे। अडानी टोटल गैस के शेयर फीसदी के लोअर सर्किट के साथ 2347.65 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। अडानी पावर के शेयर भी 5 फीसदी के लोअर सर्किट के साथ 235.65 रुपए पर हैं। अडानी विल्मर के शेयर भी 5 फीसदी के लोअर सर्किट के साथ 491.45 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। अडानी ट्रांसमिशन के शेयरों पर भी लोअर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयर 20 फीसदी की गिरावट के साथ 1608.40 रुपए पर पहुंच गए हैं। वहीं अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर करीब 18 फीसदी की गिरावट के साथ 1220 रुपए पर पहुंच गए हैं। एनडीटीवी के शेयर भी

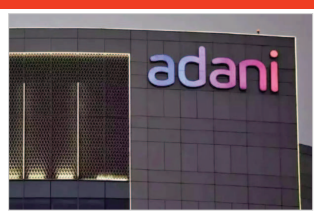

सोमवार को 5 फीसदी की गिरावट के साथ 243.55 रुपए पर पहुंच गए हैं। अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान 10 फीसदी का अपर सर्किट छुआ है। अंबुजा सीमेंट्स के शेयर बीएसई पर करीब 4 फीसदी की तेजी के साथ 393.70 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। वहीं एसीसी के शेयर करीब 1 फसदी की गिरावट के साथ 1870 रुपए पर कारोबार कर रहे थे।

सोने चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना सस्ता होकर 56880 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गया। वहीं एक किलो चांदी के दाम अब घटकर 68795 रुपये हो गये हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार सोना 80 रुपये की गिरावट के साथ 56880 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 56960 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 180 रुपये की गिरावट के साथ ही 68795 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 68975 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एप्पल ने छुट्टियों की तिमाही में भारत में 20 लाख आईफोन की ब्रिकी की

मुंबई । एप्पल ने 2022 की छुट्टियों की तिमाही में भारत में 2 मिलियन यानि 20 लाख आईफेन की बिकी की हैं। अपने प्रमुख डिवाइस के लिए 18 प्रतिशत की वृद्धि (तिमाही-दर-तिमाही) दर्ज की। नए डेटा में सोमवार को इसकी जानकारी दी गई है। 2022 के लिए आईफेन की भारत की बाजार हिस्सेदारी 11 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) के साथ 5.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। 2021 के लिए एप्पल आईफेन ने देश में 4.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ 48 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की थी। डेटा के अनुसार आईफेन 14 सीरीज ने 2022 की चौथी तिमाही में 59 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी दर्ज की इसके बाद आईफेन 13 सीरीज में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एप्पल ने चौथी तिमाही में भारत में 0.2 मिलियन आईपैडस बेचे और आईपैड प्रो 2022 सीरीज ने 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वर्तमान में देश में कुल स्मार्टफेन बाजार में एप्पल का लगभग 5 प्रतिशत हिस्सा है। आईफेन निर्माता अब अगले 2-3 वर्षो में अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भारत और वियतनाम पर गंभीरता से विचार कर रहा है। एप्पल का लक्ष्य वर्तमान में सिंगल-डिजिट प्रतिशत की तुलना में भारत से 40-45 प्रतिशत आईफोन को शिप करना है। 2025 तक हर चौथा आईफेन भारत में बनाया जाएगा। भारत के पास 2022 के अंत में आईफेन की कुल उत्पादन क्षमता का 10-15 प्रतिशत हिस्सा है। दिसंबर के महीने में 1 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन निर्यात करने वाली एप्पल भारत की पहली स्मार्टफोन कंपनी बन गई है जो वर्तमान में देश में आईफेन 12 13 14 और 14 एलस बना रही है।

फ्लिपकार्ट भारतीय कारीगरो को सपोर्ट करने 74वे प्रजासत्ताक दिन पर क्राफ्टेड बाय भारतकी चोथी एडिशन का आयोजन

बेग्लुरु । मेड-इन-इंडिया ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज भारत के 74वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इस साल 26-27 जनवरी तक फ्लिपकार्ट संचालित 'क्राफ्टेड बाय भारत' इवेंट के चौथे संस्करण की घोषणा की। यह कार्यक्रम देश भर में 300 से अधिक कला रूपों से 100,000 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन करके भारत की हस्तशिल्प और हस्तशिल्प की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाएगा।

'क्राफ्टेड बाय इंडिया' का उद्देश्य भारतीय कारीगरों और बुनकरों को पहचानने और उनके सराहनीय शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है जिसने हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखा है। इस घटना के हिस्से के रूप में उपलब्ध उत्पाद कला और इतिहास दोनों का उदाहरण देते हैं, और उन कलाकारों का समर्थन करते हैं जो अपने उत्पादों को बेचकर जीविकोपार्जन करते हैं। फ्लिपकार्ट के पास इवेंट के लिए प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित स्टोरफ्रंट भी होगा, जिसके तहत महिला विक्रेताओं की विशिष्टता का सम्मान करने के लिए महिला विक्रेताओं के उत्पादों को विशेष रूप से हाइलाइट किया जाएगा।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के हिस्से के रूप में, यह आयोजन लोगों को राज-स्थानी कारीगरों द्वारा श्रमसाध्य रूप से तैयार किए गए 'राजस्थानी फर्नीचर', 'डोकरा कला' जैसी कला के करीब लाएगा, जो आदिवासी समुदाय और उनकी गहरी मान्यताओं और मूल्यों का प्रतीक है। कला का पवित्र रूप। , 'बांस के आभूषण' जो प्रकृति और कला का एक अनूठा मिश्रण है, 'तांत साड़ी' जो पश्चिम बंगाल की प्राचीन शिल्प परंपरा और समृद्ध फैशन का प्रतिनिधित्व करती है, 'खादी' और 'कलमकारी' जो भारत और इसकी कला का प्रतिनिधित्व करती है इसकी जड़ों में रहता है।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम से जुड़े लाखों कारीगर, बुनकर, दिव्यांग, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी एम्पोरियम की महिलाएं इस कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों, कुछ शहरी केंद्रों के साथ-साथ देश के ग्रामीण इलाकों के लोग भी शामिल हैं। देश भर के अन्य स्थानीय व्यवसायों के बीच विभिन्न सरकारी और निजी ब्रांड इस आयोजन का हिस्सा बननेवाली हैं।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, च्फ्लिपकार्ट की च्समर्थज् पहल भारत के कारीगरों, बुनकरों और हस्तशिल्प उत्पादकों को भारत भर के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उनकी आय बढ़ाने में मदद करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 2019 में च्समर्थज् के लॉन्च के बाद से, हमने 15 लाख से अधिक विक्रेताओं, बुनकरों और कारीगरों को

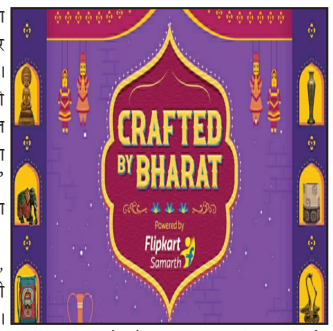

सशक्त बनाया है और पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प में हमारे योगदान पर गर्व है। हम विकास, लचीलापन, डिजिटल परिवर्तन और समृद्धि के लिए ऑनलाइन माध्यम का लाभ उठाने के लिए स्वदेशी और कम सेवा वाले व्यवसायों के लिए अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। च्क्राफ्टेड बाय इंडियाज् कार्यक्रम छोटे उद्यमों और कारीगरों को उनके अपने समुदायों से परे पहचान दिलाने, राष्ट्रव्यापी बाजार तक पहुंचने और बड़ी अर्थव्यवस्था में योगदान करने में सक्षम बनाता है। हमारा निरंतर प्रयास उपभोक्ताओं को भारत की समृद्ध विरासत के करीब लाना और भारत के कारीगरों और बुनकरों की उद्यमशीलता की यात्रा का समर्थन करना है।

एलआईसी का फैसला अडाणी समूह में और अधिक निवेश करेगी

अडाणी समूह और हिंडनबर्ग के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी

मुंबई ।

देश के दिग्गज कारोबारी समूह अडाणी समूह और हिंडनबर्ग के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है इसके साथ ही शेयर बाजारों में अडाणी समूह की कई कंपनियों के शेयरों में गिरावट का दौर भी जारी है। इस बीच भारतीय जीवन बीमा निगम ने अडाणी समूह में और निवेश का फैसला किया है। जहां तक अडाणी समूह और हिंडनबर्ग के बीच जारी जंग की बात है तब बता दें कि उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गंभीर आरोपों को ''भारत उसकी संस्थाओं और विकास की गाथा पर सुनियोजित हमला'' बताकर कहा है कि आरोप ''झूठ के सिवाय कुछ नहीं'' हैं। अडाणी समूह ने 413 पन्नों के जवाब में कहा है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ''मिथ्या धारणा बनाने'' की ''छिपी हुई मंशा'' से प्रेरित है ताकि अमेरिकी कंपनी को वित्तीय लाभ मिल सके। इसके जवाब में हिंडनबर्ग ने कहा है कि उसकी रिपोर्ट भारत पर हमला नहीं थी। हिंडनबर्ग ने कहा कि इस धोखाधड़ी को 'राष्ट्रवाद' या 'बढ़ा-चढ़ाकर प्रतिक्रिया से छुपाया नहीं जा सकता। इस बीच सोमवार को शेयर बाजारों के खुलने के साथ ही अडाणी समूह की कई कंपनियों के शेयरों में गिरावट दिख रही है। वहीं अडाणी समूह ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप ''झूठ के सिवाय कुछ नहीं हैं। समूह ने कहा कि ये दस्तावेज ''चुनिंदा गलत सूचनाओं एवं छुपाकर रखे गए तथ्यों का एक दुर्भावनापूर्ण संयोजन हैं।'' अडाणी समूह ने कहा कि ये ''निराधार और शर्मनाक आरोप किसी गुप्त मकसद'' से लगाए गए हैं। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की विश्वसनीयता एवं नैतिकता पर सवाल उठाकर कहा कि रिपोर्ट दुर्भावनापूर्ण इरादे से जारी की गई। अडाणी समूह ने कहा कि यह इस बात से स्पष्ट है कि इस रिपोर्ट को उस समय में जारी किया गया जब अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड भारत में इक्विटी शेयरों की अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक पेशकश कर रहा है।

उधर अडाणी समूह में एलआईसी के निवेश को लेकर भी तमाम सवाल उठ रहे हैं। इस बीच खबर है कि जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अडाणी समूह की प्रमुख फर्म में और निवेश कर रही है। बता दें कि अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट के बावजूद बीमा कंपनी फायदे में है। शेयर बाजार के आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली।अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बताया कि भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी ने अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के 20000 करोड़ के एफपीओ में एंकर निवेशक के तौर पर 300 करोड़ रुपये निवेश करके 915748 शेयर खरीदे हैं। एलआईसी ने एंकर निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों में से पांच प्रतिशत शेयर खरीदे।

एयरइंडिया को पहली बार मुनाफे की उम्मीद

नई दिल्ली ।

देश में सालों से नुकसान का सामना कर रही महाराजा के दिन अब बदलने वाले हैं क्योंकि पहली बार एयर इंडिया को अच्छा मुनाफा होने की संभावना है। एयर इंडिया अपनी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ इस वित्तीय वर्ष में अच्छा लाभ हासिल करने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर बेहतर आय और लागत के बेहतर प्रबंधन ने एयर इंडिया और सहायक एयर इंडिया एक्सप्रेस में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ावा दिया है क्योंकि वे 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कई वर्षों में ब्याज कर मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले पहली सकारात्मक कमाई करने के लिए तैयार हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस को छोड़कर जो मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए कम लागत वाली उड़ानें संचालित करती है जहां पैदावार अधिक होती है एयर इंडिया को स्टैंडअलोन आधार पर लगभग 2450 करोड़ रुपए का परिचालन घाटा होने का अनुमान है जो 7000 रुपए का लगभग एक तिहाई है। ग्राउंडेड विमानों को सेवा में वापस लाने की लागत पर निरंतर नुकसान का आरोप लगाते हुए लोगों ने कहा कम्पनी को वित्त वर्ष 2022 में करोड़ों का नुकसान हुआ। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कंसोलिडेटेड ऑपरेटिंग बेसिस पर यह कितना कमा सकती है।

गोफर्स्ट को क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत 210 करोड़ मिलेंगे: सीईओ

- गोफर्स्ट को ईसीएलजीएस के तहत अब तक मिल चुके हैं 600 करोड़

मुंबई ।

सरकार की क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत वाडिया समूह की विमानन कंपनी गोफर्स्ट को अगले महीने 210 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर करने और संचालन को विस्तार देने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने बताया कि विमानन कंपनी का लक्ष्य इस साल अप्रैल तक परिचालन में शामिल विमानों की संख्या को बढ़ाकर 53 करना है। विमानन कंपनी के पास परिचालन में अभी 37 विमान हैं। कंपनी ने प्रवर्तकों से पिछले महीने 210 करोड़ रुपए जुटाए थे। कोरोना महामारी के प्रकोप के अलावा कंपनी को प्रैट एंड व्हिट्नी इंजनों की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है। इंजनों की कमी के कारण उसे कई विमानों को खड़ा रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। गोफर्स्ट को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत अब तक 600 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। इस योजना से कोरोना महामारी के प्रकोप का सामना करने वाली कंपनियों को राहत दी गई है। खोना ने बताया कि प्रवर्तकों के 210 करोड़ रुपए देने के साथ इतना ही रुपया विमानन कंपनी को अगले महीने ईसीएलजीएस से मिलेगा। एक साक्षात्कार में खोना ने कहा कि इंजन की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो रही है और प्रैट एंड व्हिट्नी से 20 नए इंजनों के अप्रैल तक मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि 20 इंजनों से 10 विमान चलाने में मदद मिल सकती है। एक विमान में दो इंजन होते हैं। सात नए एयरबस ए320 नियो विमान अप्रैल के पहले सप्ताह तक आ जाएंगे। इनमें से एक विमान पिछले सप्ताह आ चुका है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी में मार्च 2024 तक नौ और विमान शामिल होंगे।

दुनिया की सबसे छोटी कार है पीईएल पी50

केवल 134 सेमी है लंबाई बैठ सकता है एक ही व्यक्ति

नई दिल्ली।

क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे छोटी कार कौन सी है। न वो नैनो है न क्यूट उस कार का नाम है पीईईएल पी50 ये केवल 134 सेमी लंबी कार है जिसमें एक ही व्यक्ति बैठ सकता है। इस कार को पील नाम की कंपनी ने बनाया है और एलेक्स ऑर्चिन ने डिजाइन किया है। कार की चौड़ाई 98 सेमी और ऊंचाई 100 सेमी. है। कार का वजन किसी मोटरसाइकिल से भी काफी कम है। ये महज 59 किलो की है। इसके साइज के कारण 2010 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी सबसे छोटी कार के तौर पर दर्ज किया गया था।पील पी 50 में मोपेड से भी छोटा इंजन दिया जाता था। हालांकि ये उसके साथ भी बेहतर परफॉर्म करती है। पील में 49 सीसी का टू स्ट्रोक इंजन है जो 4.2 बीएचपी की पावर और 5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। ये 3 स्पीड मैनुअल गियर बॉक्स के साथ आती है। कार की टॉप स्पीड करीब 61 किमी प्रति घंटे की है। वहीं कार का माइलेज 80 किमी. प्रति लीटर तक है।कार को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसका वजन काफी कम है। कार की बॉडी मोनोकॉक फाइबर ग्लास से बनी है। फीचर्स की बात की जाए तो इसमें दो पैडल के साथ एक कंट्रोलिंग व्हील गियर शिफ्टर और स्पीडोमीटर के अलावा और कोई फीचर नहीं है। पी 50 का निर्माण पहली बार 1965 में किया गया था। इसके बाद 2010 में इसको एक बार फिर बनाया गया और बाजार में उतारा गया। अब पी 50 का निर्माण लंदन में किया जाता है। कंपनी ने अब इस कार का इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी लॉन्च कर दिया है। इसकी कीमत की बात की जाए तो ये करीब 84 लाख रुपये की कार है। इसके इलेक्ट्रिक वर्जन ई 50 को यूरोपियन बाजार में काफी पसंद किया जाता है। बता दें कि ऑटोमोबाइल सेक्टर तेजी से ग्रो कर रहा है स्मॉल कार्स के साथ ही हैचबैक और एसयूवी सेगमेंट में लोगों की खासी दिलचस्पी है और इनकी बिक्री भी पिछले कुछ सालों में बढ़ी है। लेकिन कार खरीदारों का एक तबका ऐसा भी है जो सिटी राइड के लिए छोटी कारों को पसंद करते हैं।

शिमला में पर्यटकों की संख्या में आई गिरावट

शिमला ।

शिमला में पर्यटकों के रुकने का औसत समय 1970 के दशक के चार-पांच दिन की तुलना में अब केवल एक दिन रह गया है। पर्यटन उद्योग हितधारक संघ (टीआईएसएचए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक स्थानीय होटल कारोबारी ने बताया कि शिमला-परवाणू राष्ट्रीय राजमार्ग पर गर्मियों में पानी की कमी और भूस्खलन बारिश के समय दुर्गम यात्रा फिसलनभरी सड़कों पर भारी यातायात के बीच जिला प्रशासन की ओर से जारी किए जा रहे दिशानिर्देशों से पर्यटक शिमला आने की योजना बनाने के लिए हतोत्साहित होते हैं। कई बार इन कारणों की वजह से वे बुकिंग रद्द कर देते हैं। मुख्यमंत्री को पर्यटन उद्योग की जमीनी हकीकत से अवगत कराया जाएगा और उन्हें पर्यटकों के अनुकूल माहौल बनाने और शिमला व इसके आसपास के इलाकों में नए आकर्षण तैयार करने के सुझाव दिए जाएंगे। शिमला में पर्यटन और होटल उद्योग की व्यवहार्यता को प्रभावित करने वाले प्रमुख तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार हालांकि इसमें गैर पंजीकृत या अनधिकृत स्थानों पर रुकने वाले पर्यटकों की संख्या शामिल नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार यह गिरावट यातायात जाम पार्किंग की समस्या शिमला के अंदर और आसपास बिना मान्यता वाले रुकने के स्थानों के कारण बनी है। पिछले पांच दशक में पंजीकृत होटलों में पर्यटकों के रुकने की औसत अवधि में 70-80 प्रतिशत गिरावट आई है।

हिंडनबर्ग का अदानी को जवाबः तिरंगा ओढ़कर भारत को लूट रहा अदानी ग्रुप

नई दिल्ली ।

अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण अदानी ग्रुप में आजकल कोहराम मचा हुआ है। पिछले बुधवार को आई इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अदानी ग्रुप दशकों से खुल्लम-खुल्ला शेयरों में गड़बड़ी और एकाउंट धोखाधड़ी में शामिल रहा है। इससे बुधवार और शुक्रवार को अदानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई। आज ग्रुप के शेयरों में मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पर अदानी ग्रुप ने 413 पेज का जवाब भेजा था। इस पर आज अमेरिकी कंपनी का भी रिस्पॉन्स आ गया। उसका कहना है कि राष्ट्रवाद का चोला ओढ़कर धोखाधड़ी से नहीं बचा जा सकता। अदानी ग्रुप ने असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। आरोपों का जवाब देने के बजाय अदानी ग्रुप राष्ट्रवाद का सहारा ले रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि हम मानते हैं कि भारत एक वाइब्रेंट डेमोक्रेसी है और एक सुपरपावर के तौर पर उभर रहा है। हम साथ ही यह भी मानते हैं कि अदानी ग्रुप भारत के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। यह ग्रुप राष्ट्रवाद की आड़ में देश को लूट रहा है। हमारा मानना है कि फ्रॉड चाहे जो भी करे वह फ्रॉड होता है। आप इसे देश पर हमला बताकर बच नहीं सकते हैं। अमेरिकी फर्म ने कहा कि उसके अडानी ग्रुप से 88 सवाल पूछे थे जिसमें से उसने 62 सवालों के जवाब नहीं दिए। इनमें से कई सवाल ट्रांजैक्शंस की प्रवृत्ति और हितों के टकराव के बारे में पूछे गए थे लेकिन अदानी ग्रुप ने इनका कोई जवाब नहीं दिया।

मां ने किसानी कर पाला बेटी ने विश्वकप में किया कमाल

लखनऊ । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य अर्चना देवी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप फाइनल में शानदार गेंदबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अर्चना ने खिताबी मुकाबले में 3 ओवर में 17 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं टूर्नामेंट में उसने कुल 8 विकेट लिए। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के एक छोटे से गांव से आयी अर्चना को यहां तक पहुंचने के पीछे उसकी मां को बेहद मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ा। यहां तक की उन्हें लोगों के ताने भी सुनने पड़े। अर्चना के पिता की कैंसर के कारण मौत हो गयी थी। इसके बाद उसके भाई की सांप काटने से मौत हो गयी। ऐसे उसकी मां को किसानी करनी पड़ी । जिससे वह बेटी को कुछ बना सके। उन्होंने बेटी को स्कूल में दाखिला दिलवाया। यहीं से अर्चना की किस्मत पलट गई क्योंकि यहां पर अर्चना को टीचर पूनम गुप्ता का सहारा मिला। उन्होंने अर्चना की मां से बात करके इसे एक अच्छा खिलाड़ी बनाने की बात कही और ट्रेनिंग सेंटर ले आई। इस दौरान रिश्तेदारों ने भी बेटी को स्कूल की टीचर के साथ भेजने का भी विरोध किया था। वहीं अब ताने देने वाले लोगों का रुख भी बदल गया है।

(खेलो इंडिया यूथ गेम्स)

टेबल टेनिस : अंकुर दिव्यांश जश व सौम्यदीप ने प्रारंभिक मुकाबले जीते

- मध्य प्रदेश के अंश गोयल व भाग्यश्री दवे शुरूआती मैच हारे -

इन्दौर ।

आज यहां अभय प्रशाल में शुरू हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में लड़कों के सिंगल्स में खिताब के प्रबल दावेदार पश्चिम बंगाल के अंकुर भट्टाचार्जी ने मणिपुर के खेलेंद्रजीत येंगखोम को 3-1 से आसानी से हराया। महाराष्ट्र के जश मोदी बंगाल के सौम्यदीप सरकार यूपी के दिव्यांश श्रीवास्तव ने भी अपने प्रारंभिक मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। मध्य प्रदेश के अंश गोयल को कर्नाटक के आकाश से हार का सामना करना पड़ा। लडकियों के एकल में हरियाणा की सुहाना सैनी महाराष्ट्र की पृथा वर्तिकर कर्नाटक की यशस्विनी ने अपने-अपने मुकाबले जीते। जबकि मध्य प्रदेश की भाग्यश्री दवे को ग्रुप-बी में महाराष्ट्र की जेनिफर वर्गीज से हार का सामाना करना पड़ा। ग्रुप-ए के मुकाबले में उत्तर प्रदेश के दिव्यांश श्रीवास्तव ने कर्नाटक के यशनाथ को 14-12 11-8 12-10 से शॉ कस्त दी। वहीं ग्रुप-बी में खिताब के प्रबल दावेदार अंकुर भट्टाचार्य (पं. बंगाल) ने खेलेंद्रजीत येंगखोम (मणीपुर) को 11-6 9-11 11-4 12-10 से शिकस्त दी। खेलेंद्रजीत ने शानदार खेल दिखाया तो अंकुर ने मणिपुर के अपने प्रतिद्वंदी को एक गेम लेने दिया लेकिन वह अंकुर जैसे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ टिकने में नाकाम रहे और दबाव में आ गए। ग्रुप-बी के एक अन्य मुकाबले में मध्य प्रदेश के अंश गोयल को कर्नाटक के के.जे. आकाश से हार का सामना करना पड़ा। आकाश ने गोयल को 11-6 11-5 11-8 से शॉ कस्त दी। वहीं ग्रुप-सी में महाराष्ट्र के जश मोदी ने तमिलनाडु के प्रियेश राज सुरेश 3-0 से शिकस्त दी। एक अन्य मुकाबले में पं. बंगाल के सौम्यदीप सरकार ने धैर्य टंडेल (डी एंड डी) को 11-2 11-3 11-5 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

सुहाना पृथा जेनिफर तनीशा भी अगले दौर में

पहले दिन यूथ गर्ल्स वर्ग में पहले दौर के आठ मुकाबलों में एक-दो मुकाबले को छोड़कर अधिकांश एकतरफा ही नज़र आए। ग्रुप-ए में सुहाना सैनी (हरियाणा) ने ओर्शो की जोरदार (बंगाल) को 11-9 11-8 11-9 से पृथा वर्तिकर (महाराष्ट्र) ने श्रेया आनंद (तमिलनाडु) को 11-9 11-7 11-8 से यशस्विनी घोरपड़े (कर्नाटक) ने पृथोकी चक्रवर्ती (हरियाणा) को 11-6 12-10 11-13 11-9 से शिकस्त दी। ग्रुप-बी में जेनिफर वर्गीज (महाराष्ट्र) ने भाग्यश्री दवे (मध्य प्रदेश) को 11-4 11-3 11-8 से हराया। ग्रुप-सी में रिशा मीरचंदानी (महाराष्ट्र) ने नेहल वेंकटसामी (तमिलनाडु) को 11-7 11-3 11-7 से; अनर्गया मंजूनाथ (कर्नाटक) ने अनुष्का चौहान (डी एंड डी) को 11-1 11-1 11-2 से शॉ कस्त दी। ग्रुप डी में आदर्श ओम छेत्री (दिल्ली) ने तार मैप (अरुणाचल) को 11-1 11-3 11-2 से सार्थ मिश्रा (उ.प्र.) ने नील मुले (महाराष्ट्र) को 11-8 5-11 11-4 9-11 11-8 से शिकस्त दी। ग्रुप डी में तनीशा कोटेचा (महाराष्ट्र) ने तृषि पुरोहित (कर्नाटक) को 11-4 9-11 2-11 11-9 से; लक्षिता नारंग (दिल्ली) ने मिहु अबिमे (अरुणाचल) को 11-4 11-0 11-6 से शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स स्पर्धा के अंतर्गत टेबल टेनिस स्पर्धा का औपचारिक शुभारंभ म.प्र. ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष व विधायक रमेश मैंदोला ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

सीनियर टीम से खेलेंगी अंडर 19 विश्व कप की प्रतिभाशाली खिलाड़ी : मिताली

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने महिला अंडर 19 विश्व कप टीम की जमकर प्रशंसा की है। मिताली इस टीम की खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि इसमें से तीन से चार खिलाड़ी साल 2025 एकदिवसीय विश्व कप में सीनियर टीम की ओर से खेल सकती हैं। इस बार अंडर-19 टीम की लेग स्पिनर पार्श्वी चोपड़ा सलामी बल्लेबाज श्वेता सहरावत तेज गेंदबाज टिटास साधू गेंदबाज अर्चनी देवी और स्पिनर मन्नत कश्यप ने विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया है। मिताली का मानना है कि अंडर-19 विश्वकप से महिला क्रिकेट को ऐसा मंच मिल गया है जहां से खिलाड़ियों को भविष्य के लिये निखारा जा सकता है ।मिताली ने कहा ''इस टीम की स्पिनरों और तेज गेंदबाजों ने काफी प्रभावित किया है। हमें सीनियर स्तर पर दोनों विभागों में प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है। ज्यादा विकल्प रहना हमेशा अच्छा होता है।'' उन्होंने कहा '' हमें उन पर काम करना होगा। वे वाकई काफी प्रतिभाशाली हैं। उन्हें घरेलू क्रिकेट भी खेलना होगा। महिला आईपीएल से भी इस खिलाड़ियों को अनुभव और एक्सपोजर मिलेगा।

अगला एकदिवसीय विश्व कप भारत में होना है और हमने अब तक सीनियर स्तर पर विश्व कप नहीं जीता है। मुझे भरोसा है कि बीसीसीआई इन खिलाड़ियों पर ध्यान देगा ।''

एटीपी रैंकिंग: ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत कर शीर्ष स्थान पर लौटे जोकोविच, नडाल छठे पर खिसके

(एजेंसी)

अपना 10वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने के बाद नोवाक जोकोविच सोमवार को जारी नई एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर लौट आए हैं।जोकोविच ने रविवार को फाइनल में स्टेफानोस सितसिपास को 6-3, 7-6(4), 7-6(5) से हराया और अपना 22वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। रविवार रात सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब की सूची में राफेल नडाल की बराबरी की। सर्बियाई खिलाड़ी विश्व नंबर 5 से चार स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष पर पहुंच गए। इतिहास में एटीपी रैंकिंग के दो सीजनों (1973 से) के बीच पुरुष टेनिस टूर्नामेंट में शीर्ष पर सबसे बड़ी छलांग है। 35 वर्षीय अमेरिकी ओपन चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज को पछाड़ दिया है। चार स्थान की चढ़ाई कार्लोस अल्कराज (12 सितंबर, 2022), पीट सम्प्रास (11 सितंबर, 2000), आंद्रे अगासी (5 जुलाई, 1999) और कार्लोस मोया (15 मार्च, 1999) द्वारा पहले की गई तीन-स्थान की बड़ी छलांग है। अगर जोकोविच 20 फरवरी तक नंबर 1 बने रहे, तो वो स्टेफी ग्राफ के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।दूसरी ओर, राफेल नडाल ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में यूएसए के मैकेंजी मैकडॉनल्ड से हारने के बाद छठे स्थान पर आ गए।डेनमार्क के होल्गर रुन करियर की नई विश्व नंबर 9 रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। पिछले साल के उपविजेता डेनियल मेदवेदेव शीर्ष 10 से बाहर हो गए क्योंकि वह चार पायदान नीचे गिरकर 12वें स्थान पर पहुंच गए।

विश्व कप जीत से भारत का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना बड़ी बात : अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली,

पूर्व भारतीय कप्तान अंजुम चोपड़ा ने महिला टीम की दक्षिण अफ्रीका में पहले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप जीतने पर तारीफ की और कहा कि टूर्नामेंट जीतने के लिए देश का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना बड़ी बात है।उन्होंने कहा, सबसे पहले विश्व कप जीतना बड़ी बात है और फिर अंडर-19 महिलाओं का पहला विश्व कप जीतना, जिससे भारत का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा, बड़ी बात है। वैसे महिला क्रिकेट टीम कई बार वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल खेला और कई बार फाइनल में पहुंचा, लेकिन कभी ट्रॉफी नहीं जीत पाई।अंजुम ने भारत के पूर्व पुरुष खिलाड़ी आकाश चोपड़ा से जियो सिनेमा के नए दैनिक शो आकाशवाणी पर कहा, तो, मैं समझती हूं कि यह एक बहुत ही अलग एहसास है और अब ऐसा लग रहा है कि काश हम छोटे बच्चे होते और एक बार फिर से खेलने का मौका मिलता, ऐसा मैं महसूस करती हूं। मैं इतनी उत्साहित हूं कि खुशी की कोई सीमा नहीं है, और यह दिखता है जैसे मैंने विश्व कप जीता है। यह सभी क्रिकेटरों के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सुनहरा अवसर है।रविवार को पोटचेफस्ट्रूम में, शेफाली वर्मा की टीम ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ-साथ कुछ शानदार क्षेत्ररक्षण के दम पर इंग्लैंड को सिर्फ 68 रन पर समेट दिया।शेफाली की टीम ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ-

साथ कुछ शानदार क्षेत्ररक्षण के दम पर इंग्लैंड को सिर्फ 68 रन पर ऑलआउट कर दिया। तेज गेंदबाज तीतास साधु, ऑफ स्पिनर अर्चना देवी और लेग स्पिनर पार्शवी चोपड़ा अपनी लाइन और लेंथ में सटीक थीं और उन्हें पर्याप्त मदद मिली। उन्होंने दो-दो विकेट लिए। जबकि शेफाली, मन्नत कश्यप और सोनम यादव ने दबदबे वाली गेंदबाजी में एक-एक विकेट हासिल किया। इसके बाद 69 रनों का पीछा करते हुए धीमी पिच पर भारत ने पहले चार ओवरों में शेफाली और श्वेता सहरावत को खो दिया।

संक्षिप्त समाचार

टी20 के लायक नहीं लखनऊ मैदान : हार्दिक

लखनऊ । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने लखनऊ मैदान की पिच को लेकर कहा कि विकेट टी20 के लायक नहीं है। पांड्या ने कहा कि अब तक हमने जितने भी मैच खेले हैं उसमें यह विकेट एक झटके की तरह था हालांकि मुझे मुश्किल विकेटों से कोई फर्क नहीं पड़ता और मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार रहता हूं। मैच में भारतीय टीम की जीत के बाद पांड्या ने कहा कि मुझे हमेशा से विश्वास था कि हम खेल को खत्म करने में सक्षम होंगे हालांकि इसमें काफी देर हो गई। हार्दिक ने कहा कि क्यूरेटर को यह तय करना चाहिए कि वे पिचों को पहले तैयार कर लें। इस पिच पर अगर 120 रन भी बन जाते तो यह विजयी स्कोर हो सकता था। आज हम गेंदबाजों को लेकर योजना पर अड़े रहे। हमने सुनिश्चित किया कि वे स्ट्राइक रोटेट न करें। हम स्पिनरों को घुमाते रहे। ओस ने इसमें ज्यादा भूमिका नहीं निभाई। देखा जाए तो वह हमसे ज्यादा गेंद को स्पिन कराने में सक्षम थे। यह अच्छी तरह से चल रहा था। भारतीय ऑलराऊंडर वॉशिंगटन सुंदर ने कहा कि हम लोग सभी नर्वस थे और उम्मीद कर रहे थे कि हम लक्ष्य को प्राप्त कर लें। हालांकि यहां पूरा मामला स्पिन को खेलने की तकनीक का था। अगर 10 मैचों में 2-3 मैचों की पिच ऐसी हो तो काफी अच्छा होगा। हम खुश हैं कि आज हम इस मैच को जीतने में सफल रहे। मेहमान टीम न्यूजीलैंड द्वारा पहला टी-20 जीत लेने के बाद भारतीय टीम पर सीरीज की हार का दबाव बन गया था पर टीम ने दूसरे मैच में जीत के साथ वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

दक्षिण अफ्रीका में प्रशंसकों को और अधिक खुशी देने की उम्मीद होगी: हरमनप्रीत

नई दिल्ली, दक्षिण अफ्रीका में 10 फरवरी से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के साथ, भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया कि देश में प्रशंसकों के लिए कई अच्छी यादें हैं। उन्हें और अधिक खुशी देने की उम्मीद होगी।एमएस धोनी ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में पहले आईसीसी टी20 विश्व कप में एक युवा भारतीय टीम का नेतृत्व किया था। शेफाली वर्मा की कप्तानी में रविवार को भारत ने अंडर19 महिला टी20 विश्व कप का पहला सीजन अपने नाम किया। यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए पहली वैश्विक ट्रॉफी है। उन्होंने कहा, जहां तक दक्षिण अफ्रीका की बात है। भारतीय प्रशंसकों के लिए यहां कई अच्छी यादें हैं और हम उन्हें और अधिक खुशी देने की उम्मीद कर रहे हैं। हमारी पुरुष टीम ने विश्व कप 2003 का फाइनल यहां खेला था और महिला टीम ने 2005 में फाइनल में जगह बनाई थी। हरमनप्रीत ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, भारतीय पुरुष टीम ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीतकर बेहतर प्रदर्शन किया था। क्या हम एक बार फिर उनका अनुकरण कर पाएंगे? यह तो समय ही बताएगा, लेकिन हम निश्चित रूप से ऐसा करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

मुरली विजय ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज मुरली विजय ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। मुरली विजय ने सोमवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। मुरली विजय ने सात साल के अपने करियर में 61 टेस्ट 17 एकदिवसीय और 9 टी20 मैच खेले है। टेस्ट मैचों में उनके नाम 3928 रन और 17 एकदिवसीय मैचों में 339 रन हैं। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले विजय ने 106 आईपीएल मैच भी खेले है। जिसमें उन्होंने 121.87 के स्ट्राइक-रेट से 2 शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ ही 2619 रन बनाए थे। विजय ने आईपीएल में विजय चेन्नई सुपर किंग्स दिल्ली डेयरडेविल्स और किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेला था।

इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा आभार और विनम्रता के साथ आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। साथ ही कहा कि साल 2002 से 2018 तक की मेरी यात्रा मेरे जीवन का सबसे शानदार वर्ष रहा है क्योंकि यह खेल के उच्चतम स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान था। मैं यह घोषणा करने के लिए उत्साहित हूं कि मैं क्रिकेट की दुनिया और इसके व्यापारिक पक्ष में नए अवसरों की तलाश करूंगा जहां मैं उस खेल में भी भाग लेना जारी रखूंगा जिसे मैं प्यार करता हूं और नए और अलग वातावरण में अपने को चुनौती देता हूं। मेरा मानना है कि एक क्रिकेटर के रूप में यह मेरी यात्रा का अगला कदम है और मैं अपने जीवन के इस नए अध्याय की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने साथ ही कहा मैं अपने सभी पूर्व साथियों और भारतीय क्रिकेट टीम को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी देता हूं। इस बल्लेबाज को अंतिम बार सा 2018 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की ओर से खेलने का अवसर मिला था। इसके

बाद खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था। उसके बाद से ही यह क्रिकेटर टीम में वापसी करने में असफल रहा। रणजी ट्रॉफी में भी उसे अंतिम बार साल 2019 में तमिलनाडु की टीम में जगह मिली थी। यह क्रिकेटर पिछले साल से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर था केवल उसे तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में खेलने का अवसर मिला। विजय ने बीसीसीआई के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि अब वह विदेशी टी20 लीग में अवसर तलाशेंगे।

मुख्यमंत्री खट्टर ने शेफाली के घर पहुंचकर विश्वकप जीत पर बधाई दी

चंडीगढ़ । भारतीय टीम की अंडर-19 टी20 विश्वकप में जीत के बाद से कप्तान शेफाली वर्मा के रोहतक स्थित घर पर जश्न का माहौल है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर भी बधाई देने के लिए शेफाली के घर पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की बेटी शेफाली के नेतृत्व में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता है। उन्होंने शेफाली के दादा को मिठाई भी खिलाई और कहा कि इस ऐतिहासिक जीत पर बेटी शेफाली और पूरी क्रिकेट टीम पर प्रदेश और देश को गर्व है। मुख्यमंत्री ने टीम को बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस मुलाकात के दौरान शेफाली के दादा संत लाल वर्मा व पिता संजीव वर्मा ने भी मुख्यमंत्री का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। शेफाली के नेतृत्व में मिली यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारतीय महिला टीम को पहली बार कोई आईसीसी खिताब मिला है। यह पहली बार है जब अंडर-19 वर्ग में टी20 विश्वकप टूर्नामेंट खेला गया है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच रीड और सहयोगी स्टाफ का इस्तीफा

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रीड के अलावा सहयोगी स्टाफ के दो अन्य सदस्यों ने भी इस्तीफा दिया है। रीड और सहयोगी स्टाफ के ये इस्तीफ विश्वकप हॉकी में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद आये हैं। वहीं हॉकी इंडिया ने भी रीड का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। रीड के कोच रहते ही भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था पर टीम घरेलू धरती पर हुए विश्वकप में उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पायी। टीम क्वार्टर फाइनल तक भी नहीं जा सकी और उसे नौवां स्थान ही मिल पाया। रीड के अलावा विश्लेषण कोच ग्रेग क्लार्क और वैज्ञानिक सलाहकार मिशेल डेविड पेम्बरटन ने भी अपन पद छोड़ दिया है। हॉकी इंडिया के अनुसार रीड ने अध्यक्ष दिलीप टिर्की को विश्व कप समाप्त होने के एक दिन बाद ही अपना इस्तीफा सौंपा। इससे पहले टिर्की और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने टीम के प्रदर्शन पर विचार के लिये रीड और अन्य सहयोगी स्टाफ से मुलाकात की थी। क्लार्क और डेविड ने भी आज सुबह इस्तीफे दे दिये। यह तीनों ही अगले महीने नोटिस पीरियड में रहेंगे। रीड ने कहा '' अब मेरे लिये अलग होने और नये प्रबंधन को कमान सौंपने का समय है। साथ ही कहा कि इस टीम और हॉकी इंडिया के साथ काम करने में बहुत आनंद आया। इसके साथ ही टीम को अपनी शुभकामनायें भी दीं हैं।'' रीड सहित तीनों के इस्तीफे स्वीकार करते हुए हॉकी इंडिया अध्यक्ष टिर्की ने कहा ''ग्राहम रीड और उनकी टीम का भारत सदैव ऋणी रहेगा जिन्होंने हमें अच्छे परिणाम दिये। खासकर ओलंपिक खेल में। साथ ही कहा कि हर यात्रा में नये पड़ाव आते हैं और अब हमें भी टीम के लिये नयी सोच के साथ आगे बढना होगा।'' रीड के कोच रहते ही टीम ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत और एफआईएच प्रो लीग 2021 . 22 सत्र में तीसरा स्थान हासिल किया था। उनके कोच रहते भारतीय हॉकी एक बार फिर अपने पुराने गौरव को हासिल करने के लिए तैयार दिखी।

ऋषभ पंत को अस्पताल से इस सप्ताह छुट्टी मिलने की उम्मीद

विश्व कप से पहले ठीक होने की संभावना कम

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अच्छी खबर है। सड़क दुर्घटना में घायल हुए विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत की सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है और इस हफ्ते उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। बीते 30 दिसंबर को पंत दिल्ली से रुड़की जाते वक्त सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनकी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इसके बाद उसमें आग लग गई थी। किसी तरह पंत ने कार से निकलकर अपनी जान बचाई थी। इसके बाद से वो अस्पताल में हैं लेकिन एक महीने हॉस्पिटल में रहने के बाद वो अब घर लौटने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि ऋषभ पंत तेजी से रिकवर हो रहे हैं। मेडिकल टीम से हमें अच्छी खबर मिली है। उनकी घुटने की लिगामेंट की पहली सर्जरी सफल रही। सब यही सुनना चाहते थे। उन्हें इस हफ्ते अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। हालांकि पंत को अगले महीने फिर से अस्पताल जाना होगा। उनके दाहिने घुटने के लिगामेंट में लगी चोट की दूसरी सर्जरी होगी। सड़क दुर्घटना में उनके दाएं घुटने के 3 लिगामेंट टूट गए थे। इसमें से दी की सर्जरी हो चुकी है। उन्हें एक महीने बाद फिर अस्पताल आना होगा।

बीसीसीआई अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पंत को लगभग एक महीने में एक और सर्जरी की जरूरत होगी। डॉक्टर तय करेंगे कि दूसरी सर्जरी कब करना सही रहेगा। बीसीसीआई की मेडिकल टीम पंत की सर्जरी करने वाले डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला और अस्पताल के लगातार संपर्क में हैं। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। पंत की क्रिकेट के मैदान पर वापसी उनके रिहैब पर निर्भर करेगी। दूसरी सर्जरी के बाद पंत को पूरी तरह ठीक होने में करीब 4 से 5 महीने लगेंगे। इसके बाद वह अपना रिहैबिलिटेशन और ट्रेनिंग शुरू करेंगे। पूरी तरह प्रैक्टिस फिर से शुरू करने के लिए फिट होने में और 2 महीने लगेंगे। ऐसे में उनके इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलने की संभावना न के बराबर है। सीसीआई अधिकारी के मुताबिक फिलहाल पंत के कमबैक के बारे में नहीं सोच रहे। हमारा फोकस उनकी रिकवरी पर है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि वह कब वापसी करेंगे।

उनकी मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 8 से 9 महीने और लगेंगे। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वो विश्व कप से पहले ठीक हो जाएंगे लेकिन इसकी संभावना बहुत कम लगती है।

स्टॉकहोम में आईएचएफ हैंडबाल विश्वकप चैम्पियनशिप में खेलते हुए फ्रांस और डेनमार्क के खिलाड़ी।

राज्यपाल ने द्वारका में अति आधुनिक द्वारकाधीश गौ हॉस्पिटल और गौशाला का वर्चुअल तरीके से किया शुभारंभ

अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती अपनाएंगे तो सड़कों पर नहीं दिखेगी गाय: आचार्य देवव्रत

राज्यपाल का गायों के संरक्षण संवर्धन के लिए नस्ल सुधार करने सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक अपनाने और प्राकृतिक कृषि करने का अनुरोध

गांधीनगर ।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने रविवार को द्वारका की पावन भूमि में भथाण चौक क्षेत्र में बीमार और दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की सेवा के लिए द्वारकाधीश गौ हॉस्पिटल और गौशाला ट्रस्ट का वर्चुअल तरीके से शुभारंभ किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि गाय को और अधिक उपयोगी एवं मूल्यवान बनाने हेतु उसकी नस्ल सुधार के लिए प्रयोग और प्रयास करने होंगे। बछड़े के बजाय बछड़ी का जन्म सुनिश्चित करने के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक अपनानी होगी। इतना ही नहीं अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक कृषि पद्धति को अपनाना होगा क्योंकि देशी गाय अनिवार्य है। द्वारका में अति आधुनिक श्री द्वारकाधीश गौ हॉस्पिटल और गौशाला का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दानवीरों और गौसेवकों को इस उम्दा सेवा कार्य के लिए बधाई दी। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात धर्मात्मा और भले लोगों की भूमि है इसलिए यहां जगह-जगह गौशाला और पांजरापोल हैं जहां गौसेवक-युवा पशुओं की सेवा उस भाव से करते हैं जिस भाव से वे अपने बुजुर्गों और मां-बाप की सेवा करते हों। गायों के उपचार के लिए हाइड्रोलिक लिफ्टिंग उपकरणों एंबुलेंस और वातानुकूलित शेड की सुविधा वाले इस अति आधुनिक द्वारकाधीश गौ हॉस्पिटल की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अंग भंग की शिकार वृद्ध और अशक्त गायों को गौशाला-पांजरापोलों में रखने के साथ-साथ गायों को विशेष लाभकारी बनाने के लिए उसकी नस्ल सुधार का प्रयास भी करें। जिस तरह मां-बाप को भी कमाऊ बेटा ज्यादा अच्छा लगता है उसी तरह गाय भी जब ज्यादा दूध देगी तो उसका मूल्य निश्चित रूप से बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पांजरापोल में एक ऐसी शाखा होनी चाहिए जहां गाय की ब्रीड सुधारने के प्रयास और प्रयोग होते हों।

दो दिन के मावठ के बाद राज्य में फिर एक बार बढ़ेगी ठंड

अहमदाबाद। गुजरात दो दिन बेमौसमी बारिश के बाद फिर एक बार ठंड बढ़ने की मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है। साथ ही कहा है कि अगले पांच दिन राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। बता दें कि पिछले तीन-चार दिन में बेमौसमी बारिश के बाद राज्य में मौसम का मिजाज बदल गया है। राज्य के कई हिस्सों में बेमौसमी बारिश के बाद ठंड का प्रमाण घटा है। लेकिन अब फिर एक बार राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी पांच दिन राज्य में मावठ की कोई संभावना नहीं है और इस दौरान वातावरण सूखा रहेगा। आगामी 24 घंटों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। मौसम विभाग की निदेशक मनोरमा मोहंती के मुताबिक सौराष्ट्र के तापमान में कोई फेरबदल नहीं होगा। कल से दो दिन उत्तर-पूर्वी हवा चलने से ठंड का अहसास होगा। बता दें कि राज्य में हुई बेमौसमी बारिश का असर ठंड पर देखने को मिला। कई जगह ठंड का प्रमाण घट गया था और सुबह के वक्त घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी भी घट गई थी। लेकिन अब राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। राज्य में तापमान में फिर गिरावट आने से लोगों को कड़ाके की ठंड का अहसास होगा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री गिरावट आएगी।

ऑटो रिक्शा फिटनेस जांच से पहले मीटर का फिटनेस सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य

अहमदाबाद।

गुजरातभर में दौड़ती ऑटो रिक्शा के लिए अब मीटर फिटनेस की जांच करवाकर सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य कर दिया है। राज्य के नापतौल विभाग के इस फैसले का ऑटो रिक्शा यूनियन विरोध शुरू कर दिया है। दरअसल राज्यभर में चलने वाले कॉमर्शियल वाहनों की समयांतर जांच करने के बाद आरटीओ उसे फिटनेस सर्टिफिकेट देता है। ऑटो रिक्शा के लिए समय मर्यादा में ऑटो रिक्शा के लिए आरटीओ से फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य है। लेकिन अब आरटीओ से फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करने से पहले ऑटो रिक्शा के मीटर की जांच करानी होगी और उसका फिटनेस सर्टिफिकेट आरटीओ में पेश करना होगा। इस सर्टिफिकेट और मीटर नंबर की एन्ट्री की आरटीओ में ऑनलाइन दर्ज कराने के बाद ऑटो रिक्शा को फिटनेस सर्टिफिकेट मिलेगा। ऑटो रिक्शा में मिकेनिकल मीटर और इलेक्ट्रिक मीटर होते हैं। नई ऑटो रिक्शा नई खरीदने के दो साल बाद उसका प्रति वर्ष फिटनेस जांच कराना अनिवार्य है। अब ऑटो रिक्शा के मीटर फिटनेस की जांच कराना भी अनिवार्य कर दिया गया है। ताकि यह पता चल सके कि मीटर जम्प तो नहीं करता और वह सही आंकड़े बताता है या नहीं। मीटर फिटनेस की जांच के बाद उसका सर्टिफिकेट आरटीओ में अपडेट कराने का परिपत्र नापतौल विभाग जारी किया है। इलेक्ट्रिक मीटर और मिकेनिकल मीटर फर्क होता है। इलेक्ट्रिक मीटर में सरकारी सील होता है और उसकी जांच के बाद ही सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। इलेक्ट्रिक मीटर कंपनी द्वारा ही सेट किया जा सकता है। जबकि मिकेनिकल मीटर के दांत घिसते रहने के कारण उसके आंकड़े जम्प कर सकते हैं। इसलिए नापतौल विभाग ने मीटर फिटनेस की जांच के बाद उसका सर्टिफिकेट आरटीओ में करना अनिवार्य कर दिया है। हांलाकि राज्य सरकार के इस फैसले का ऑटो रिक्शा यूनियनों ने विरोध शुरू कर दिया है। यूनियनों की मांग है कि मीटर की जांच के लिए जब तक कोई केन्द्र नहीं बनाया जाता तब तक मौजूदा मीटर के साथ ही फिटनेस चेकिंग की जाए।

पेपर लीक मुद्दे पर आप नेता अल्पेश कथीरिया के नेतृत्व में सूरत में विरोध प्रदर्शन

सूरत। जूनियर क्लर्क की परीक्षा का पर्चा लीक होने के बाद गुजरात की सियासत गरमा गई है। पेपर लीक कांड को लेकर राज्य में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमलावर है और भाजपा का कोई भी नेता इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं। दूसरी ओर कांग्रेसएनएसयूआई और आप राज्यभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे है। सूरत में आप नेता अल्पेश कथीरिया के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने के बाद मीडिया से बातचीत में अल्पेश कथीरिया ने कहा कि पूरे मामले की जांच के पांच निवृत्त न्यायधीशों की समिति का गठन करने और दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग है। जिस प्रकार ग्रीष्मा केस में दोषी को फांसी की सजा दी गई उसी प्रकार पेपर लीक कांड के दोषियों को फांसी दी जानी चाहिए। कथीरिया ने कहा कि आप के 5 विधायकों की अगुवाई में अगर सरकार काम करेगी तो पेपर लीक नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक कांड में एटीएस और क्राइम ब्रांच की मिलीभगत है। वहीं कांग्रेस ने पत्रकार परिषद कर पेपर लीक कांड को लेकर सरकार पर कड़े प्रहार किए। जिसमें कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी और अर्जुन मोढवाडिया तथा प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर मौजूद रहे। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि भरोसे की भाजपा सरकार ने भरोसे की भैंस समान भैंसा जना है। भाजपा सरकार श्वेत पत्र जारी कर बताए कि उसके शासन में कितने पर्चे लीक हुए और उसमें कितने मामले दर्ज हुए कितने आरोपी जेल गए और कितने मुख्य सूत्रधारा पकड़े नहीं गए। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में मगरमच्छ को छोड़कर छोटी छोटी मछलियों को पकड़ा जाता है। पेपर फोड़नेवालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि जो भी इस मामले में संलिप्त हैं उन सभी को जेल भेजा जाए। पहले जो पेपर लीक करते थे वही लोग फिर एक बार पकड़े गए हैं इससे साफ हो जाता है कि केवल औपचारिकता के लिए जांच की जा रही है। कांग्रेस की मांग है कि बार बार पेपर लीक कांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाए और फास्ट ट्रेक कोर्ट में केस चलाया जाए।

टर्टल वैक्स इंडिया ने गुजरात में उपस्थिति मजबूत करने के लिए श्रीसाई ऑटोकेयर के साथ करार किया

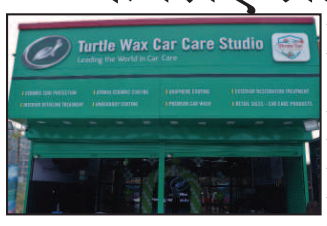

गुजरात।

पुरस्कार विजेता शिकागो स्थित कार केयर कंपनी टर्टल वैक्स आज 5Q27+742 महादेव मंदिर, बीआरटीएस, पिपलोद, रूंध, गुजरात 394518 पर सेंट्रल मॉल के निकट स्थित श्रीसाई ऑटोकेयर के साथ साझेदारी में सूरत, गुजरात में अपना पहला सह-ब्रांडेड कार-केयर स्टूडियो शुरू करने की घोषणा की। अत्याधुनिक टर्टल वैक्स0 डिटेलिंग तकनीकों और अत्यधिक योग्य और प्रशिक्षित सेवा कर्मियों के साथ, टर्टल वैक्स कार केयर स्टूडियो0 कार उत्साही लोगों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई कार डिटेलिंग सेवाओं और उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। श्री साई ऑटोकेयर गुजरात में कार केयर और डिटेलिंग में वर्षों की विशेषज्ञता लेकर आया है। टर्टल वैक्स के विस्तृत नवाचार और विशेषज्ञता के साथ, और सर्वोत्तम श्रेणी की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा के माध्यम से उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करने के लक्ष्य के साथ, टर्टल वैक्स कार केयर स्टूडियो0 पेशेवर वाहन रखरखाव और सफाई के लिए ग्राहकों की मांगों को पूरा करेगा। स्टूडियो बेहतर परिणाम देने के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके टर्टल वैक्स के सिरेमिक और ग्रैफ्रेन रेंज से कार पैकेज की एक श्रृंखला प्रदान करता है। कार केयर स्टूडियो में, ग्राहक टर्टल वैक्स0 के दुनिया के पसंदीदा डिटेलिंग उत्पादों के साथ पेशेवर परिणामों का अनुभव करेंगे, जैसे हाइब्रिड सॉल्यूशंस और हाइब्रिड सॉल्यूशंस प्रो पेटेंटेड ग्राफीन तकनीक के साथ।

लॉन्च के बारे में बात करते हुए टर्टल वैक्स कार केयर इंडिया प्रा. लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री साजन मुरली पूर्वांगरा ने कहा, "हमने गुजरात में कार केयर में बढ़ती दिलचस्पी देखी है और यहां अपना पहला कार केयर स्टूडियो खोलने का फैसला किया है। सूरत में इस ब्रांड के नए स्टूडियो के साथ, हमारा लक्ष्य राज्य में शीर्ष प्रीमियम गुणवत्ता वाली कार डिटेलिंग सेवाएं प्रदान करना है। बेजोड़ DIFM सेवाओं का अनुभव करने के लिए ब्रांड श्रेणियों और उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होने पर गर्व करता है। हमें विश्वास है कि श्री साई ऑटो केयर के साथ हमारी साझेदारी हमें इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार देखभाल सेवाएं और लाभ प्रदान करने में मदद करेगी।

हमें अपने डीलर नेटवर्क पर गर्व है और हम आने वाले वर्षों में इसे मजबूत करना जारी रखेंगे और देश के टियर 2 और टियर 3 शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करेंगे।" ग्राहक अब टर्टल वैक्स कार केयर स्टूडियो0 पर जा सकते हैं और सड़क पर चलने से पहले तुरंत साफ और तरोताजा महसूस कर सकते हैं। टर्टल वैक्स0 उत्पाद वाहन के बॉडी पेंट के लिए हानिकारक नहीं हैं और अत्यधिक मौसम परिवर्तन का सामना कर सकते हैं, कार के बाहरी हिस्से को खरोंच, भूरे रंग और मौसम की स्थिति से बचा सकते हैं। एक संपूर्ण ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के लिए आंतरिक सफाई भी महत्वपूर्ण है और टर्टल वैक्स इंटीरियर डिटेलिंग भी कार देखभाल उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

नए सहयोग पर बोलते हुए, श्री साई ऑटोकेयर के मालिक, श्री हर्ष गांधी ने कहा, "श्री साई ऑटोकेयर में, हम नवाचार में उत्कृष्टता प्रदान करने और ग्राहकों की खुशी के लिए काम करने पर जोर देते हैं। हम कार केयर में एक वैश्विक नेता के साथ साझेदारी करके खुश हैं और हमें विश्वास है कि टर्टल वैक्स के साथ यह सहयोग हमें कार प्रेमियों को प्रसन्न करने में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत ओरो यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

सूरत भूमि, श्री अरविंद इंटीग्रल लाइफ सेंटर, ओरो यूनिवर्सिटी सूरत की पहल के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गुरु वंदना और दीप प्रज्जवलित के बाद संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए ट्रस्टी के निदेशक डॉ. किरण सिंह ने श्री अरविंद और श्री माताजी की समग्र शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका स्पष्ट करते हुए सभी का स्वागत किया।

ओरो यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. परिमल एच व्यास ने भारतीय शिक्षा नीति का नामकरण करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की वकालत की। वर्ष 2011 से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत ओरो यूनिवर्सिटी की न केवल गुजरात राज्य में, बल्कि पूरे देश में एक विशिष्ट पहचान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी मार्गदर्शक दस्तावेजों को सावधानीपूर्वक पढ़ने की वकालत करते हुए, डॉ. व्यास ने शिक्षा पर श्री अरविंद के विचारों को व्यक्त करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का उल्लेख किया।

ओरो यूनिवर्सिटी के संस्थापक अध्यक्ष श्री एच.पी रामा ने श्री अरविंद और श्री माताजी के दर्शन से प्रेरित ओरो यूनिवर्सिटी के विजन और मूल्यों के बारे में सार्थक जानकारी दी। शिक्षा और ज्ञान की गति के बारे में एक विस्तृत भाषण देते हुए, श्री रमा ने कहा कि च्चशिक्षा की कोई सीमा नहीं है और शिक्षा के लिए कोई निश्चित बिंदु संभव नहीं है। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के लिए मूल्य शिक्षा के चार स्तंभों में मानसिक, महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। उनके पाठ्यक्रम के साथ-साथ शारीरिक और आध्यात्मिक शिक्षा भी है।ज उन्होंने शिक्षा के स्वागत के इस यज्ञ में दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले 300 से अधिक शिक्षकों को आमंत्रित करने का अनुरोध किया।

श्री अरविंद इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रल हेल्थ एंड रिसर्च, पांडिचेरी के प्रमुख और जाने-माने वक्ता डॉ. आलोक पांडे ने सेमिनार के मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। शिक्षा का निर्माण राष्ट्र के दृष्टिकोण से किया गया है। डॉ. पाण्डेय ने भारत की विविधता का उदाहरण देते हुए कहा कि, हम एक हैं और हम अनेक हैं।एकता का विचार भी अंधकार है और विविधता का विचार भी अंधकार है।

सूरत भूमि, सुरत। कडोदरा मे स्थित लिटल फ्लावर्स स्कूल में 26/1/2023 को उत्साह और शौर्य के साथ 74 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया,गणतंत्र समारोह में मेहमान के तौर स्कूल के ट्रस्टी,प्रमुख और लिटल फ्लावर्स स्कूल के सभी माध्यम के आचार्य,शिक्षक गण और स्कूल के सभी कक्षा के छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई. के ट्रेनिंग ऑफिसर चीफ ऑफ इंस्ट्रक्टर अल्पेश एस दाभेकर उपस्थित रहे थे, कार्यक्रम मे केडेट को सर्टीफिकेट वितरित किये गए और सभी कक्षा के अभ्यास करते हुवे छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था।

वीएसओएल के तत्वावधान में मल्टी ब्रांड टू व्हीलर सेगमेंट में एक स्टार्ट अप इनोवेशन: अंबिका ऑटो जोन

हम जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश शुरू करेंगे और नए दोपहिया वाहनों की बुकिंग और डिलीवरी वीएसओएलएस आरपीएस प्राइवेट के लिए विकल्प प्रदान करेंगे। लिमिटेड अपने सभी ग्राहकों को कुल मूल्य वर्धित वाहन समाधान प्रदान करके ऑटोमोबाइल उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनी बनने की दृष्टि के साथ, हमारा मिशन वीएसओएल एसआरपीएस प्राइवेट। लिमिटेड का मिशन युवा उद्यमियों को विकसित करके देश भर में मल्टी- ब्रांड आउटलेट के साथ एक फ्रैंचाइज़ी नेटवर्क बनाना है।

वीएसओ की स्थापना 2015 में हुई थी और यह देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी है। हमने तीन अलग- अलग स्थानों में अपने स्वयं के आउटलेट्स पर 20,000 से अधिक वाहनों के व्यावहारिक अनुभव के बाद अपने प्रोजेक्ट मॉडल विकसित किए हैं। हमारे प्रोजेक्ट मॉडल अद्वितीय हैं और कुशल तकनीशियनों के साथ उन्नत हैं। वीएसओ में हमारा उद्देश्य "वाहन समाधान" के माध्यम से एक छत के नीचे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है। हम वार्षिक रखरखाव अनुबंध, पिकअप और ड्रॉप सुविधा, सड़क किनारे बीमा सहित कई विस्तारित सेवाएं प्रदान करते हैं ।

वीएसओएल की स्थापना 2015 में हुई थी और यह देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी है। हमने तीन अलग-अलग स्थानों में अपने स्वयं के आउटलेट्स पर 20,000 से अधिक वाहनों के व्यावहारिक अनुभव के बाद अपने प्रोजेक्ट मॉडल विकसित किए हैं। हमारे प्रोजेक्ट मॉडल अद्वितीय हैं और कुशल तकनीशियनों के साथ उन्नत हैं।

सूरत भूमि, दयापर, कच्छ । कच्छ जिल्ले के लखपत तलुके के दयापर गाँव मे स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल मे में 26/1/2023 को उत्साह से 74 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया, गणतंत्र समारोह में मेहमान के तौर स्कूल के ट्रस्टी,प्रमुख और सेंट जेवियर्स स्कूल के सभी माध्यम के आचार्य शिक्षक गण और स्कूल के सभी कक्षा के छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई. के ट्रेनिंग ऑफिसर चीफ ऑफ इंस्ट्रक्टर पंकज के ढोडिया उपस्थत रहे थे, कार्यक्रम मे केडेट को सर्टीफिकेट वितरित किये गए और सभी कक्षा के अभ्यास करते हुवे छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)